मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 53
सोमवार, 01 सितम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

आपसी विश्वास और सम्मान से भारत-चीन संबंधों को आगे बढ़ाया जाएगा: पीएम मोदी

बीजिंग, 31 अगस्त। नई दिल्ली और बीजिंग के बीच संबंधों में सुधार की उम्मीद के साथ, शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के लिए चीन की दो दिवसीय यात्रा पर गए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ अपनी द्विपक्षीय बैठक के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले साल कजान में उनकी बहुत ही उपयोगी चर्चा हुई थी जिसने भारत-चीन संबंधों को सकारात्मक दिशा दी। उन्होंने आगे कहा कि सीमा पर सैनिकों की वापसी के बाद, शांति और स्थिरता का माहौल बना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सीमा प्रबंधन को लेकर भारत और चीन के विशेष प्रतिनिधियों के बीच एक समझौता हो गया है। उन्होंने कहा कि कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर से शुरू कर दी गई है और दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें भी बहाल की जा रही हैं। मोदी ने कहा कि दोनों देशों के 2.8 अरब लोगों के हित उनके सहयोग से जुड़े हैं और यह पूरी मानवता के कल्याण में योगदान देगा। उन्होंने आपसी विश्वास, सम्मान और संवेदनशीलता के आधार पर संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए भारत की प्रतिबद्धता पर जोर

दिया।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ अपनी द्विपक्षीय बैठक के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें चीन की सफल एससीओ अध्यक्षता के लिए बधाई दी, चीन आने के निमंत्रण और उनकी बैठक के लिए उन्हें धन्यवाद दिया, तथा भारत-चीन संबंधों के लिए विश्वास, सम्मान और संवेदनशीलता को महत्वपूर्ण बताया।

व्यापार और शुल्क संबंधी अमेरिकी नीतियों के कारण भारत एवं अमेरिका के संबंधों में अचानक गिरावट आई है। ऐसे में भारत एवं चीन के नेताओं के बीच यह मुलाकात महत्व रखती है। मोदी और शी रविवार से शुरू हो रहे दो दिवसीय शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन से इतर मिलेंगे।

आधिकारिक सूत्रों ने संकेत दिया है कि चर्चा के लिए मुद्दों की व्यापकता को देखते हुए वे दिन में बाद में दोबारा भी मुलाकात कर सकते हैं। दोनों नेताओं की पिछली मुलाकात अक्टूबर में रूस के कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान हुई थी। सोमवार को भारत रवाना होने से पहले मोदी के रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी मिलने की संभावना है। एससीओ शिखर सम्मेलन की शुरूआत रविवार को शी जिनपिंग द्वारा आयोजित एक आधिकारिक भोज से होगी।

अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुआ जोरदार धमाका, चार की मौत, कई गंभीर

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। थाना कुर्सी क्षेत्र के बेहटा बाजार में एक पटाखा फैक्ट्री में हुए जोरदार धमाके ने इलाके को दहला दिया। यह हादसा शनिवार सुबह उस समय हुआ जब पटाखा व्यवसायी आलम अपने घर में ही बारूद और पटाखे बनाने का काम कर रहे थे। धमाके से पूरा मकान मलबे में तब्दील हो गया। जिसमें आलम, उनकी पत्नी और दो बेटों की मौके पर ही मौत हो गई। प्रारंभिक रिपोर्ट्स में चार मौतों की पुष्टि हो चुकी है। जबकि सात या इससे अधिक लोगों की मौत की आशंका जताई जा रही है। मलबे में तीन से अधिक लोग दबे होने की सूचना है और लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर भारी संख्या में पुलिस फोर्स, दमकल विभाग और एसडीआरएफ की टीमें पहुंच गईं। कई थानों की पुलिस बल तैनात है और घायलों को एंबुलेंस के जरिए नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया जा रहा है।

धमाके की तीव्रता इतनी थी कि आसपास के इलाके में सन्नाटा छा गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि विस्फोट की आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी, जिससे अफरा-तफरी मच गई। आलम का घर बेहटा बाजार में स्थित था जहां वे अवैध रूप से पटाखे बनाते थे। जांच में सामने आया है कि घर में भारी मात्रा में बारूद रखा गया था। जिसके कारण यह हादसा हुआ। पुलिस और प्रशासन के अनुसार यह पटाखा निर्माण का अवैध कारोबार था। आलम परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर घरेलू स्तर पर पटाखे तैयार करते थे, लेकिन लाइसेंस की कोई जानकारी नहीं मिली, धमाके के बाद मलबा हटाने का काम तेजी से चल रहा है। एनडीआरएफ की टीम भी सहायता के लिए बुलाई गई है। घायलों की संख्या छह से अधिक बताई जा रही है। जिनमें कुछ की हालत गंभीर है, यह हादसा लखनऊ के गुडंबा क्षेत्र के बेहटा गांव में हुआ जो कुर्सी रोड के पास है। हाल के वर्षों में उत्तर प्रदेश में पटाखा फैक्टरियों में ऐसी घटनाएं बढ़ी हैं जो अवैध निर्माण और सुरक्षा मानकों की अनदेखी को उजागर करती हैं।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी, 2 आतंकी हथियार संग गिरफ्तार, टला बड़ा खतरा

कश्मीर, 31 अगस्त। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने शनिवार को संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने के बाद जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सीमावर्ती 11 इलाकों में घेराबंदी और तलाशी अभियान (कासो) शुरू किया। यह ऑपरेशन मेंढर, मनकोट और सुरनकोट के बेहरा कुंड, पोथा जंगल, सुरनकोट, पीर तनोरा, सांगला, मोहल्ला लोहार चंडीमढ़, कंडी, कांगड़ा, केरी गलहुटा, मुगल मारा मोहल्ला मुरी और पोली वाला ढोक इलाकों में चलाए गए।जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती जिले पुंछ में पुलिस ने दो आतंकवादियों को गिरफ्तार कर उनके पास से हथियार बरामद किए हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने

बताया कि छापेमारी के दौरान आजमाबाद निवासी तारिक शेख और चंबर गांव निवासी रियाज अहमद को हिरासत में लिया गया तथा उनसे की गई पूछताछ के आधार पर दो राइफल एवं गोला-बारूद बरामद किए गए। पुलिस ने आजमाबाद में शेख के घर पर छापा मारा और उसे उसके साथी अहमद के साथ गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि दोनों से पूछताछ के बाद पुलिस दल ने जलियां गांव स्थित शेख के किराए के मकान पर छापा मारा और हथियार बरामद किए। इससे पहले जम्मू-कश्मीर पुलिस ने शनिवार को पुंछ जिले में प्रतिबंधित संगठन हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े एक पाकिस्तान स्थित आतंकवादी आका की अचल संपत्ति कुर्क की।

भाजपा की आत्मनिर्भरता खोखली, अखिलेश यादव का सरकार पर हमला

लखनऊ, 31 अगस्त। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा प्रहार करते हुए रविवार को कहा कि चीन से आने वाले सामानों पर भारत की निर्भरता लगातार बढ़ रही है, जिसका बुरा असर हमारे उद्योगों, कारखानों और दुकानों के घटते कारोबार पर पड़ रहा है। सपा प्रमुख यादव ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, यही है तथाकथित आत्मनिर्भरता, स्वदेशी और चीनी सामान के बहिष्कार के भाजपाई जुमलों का चिंताजनक सच। उन्होंने इसे विस्तार से समझाते हुए कहा, चीन से आने वाले सामानों पर जिस तरह भारत की निर्भरता बढ़ती जा रही है, उसका

बुरा असर हमारे उद्योगों, कारखानों और दुकानों के लगातार घटते जा रहे काम-कारोबार पर पड़ा है। इससे बेरोजगारी भी बेतहाशा बढ़ रही है। यादव ने आगाह करते हुए कहा, भाजपा चीनी चाल की क्रोनोलॉजी समझे। उन्होंने आगे कहा, पहले चीन अपना माल भारत के बाजारों में भर देगा जिससे चीन पर निर्भरता इतनी बढ़ जाएगी कि उनकी हर गलत हरकत को नजरअंदाज करने के लिए भाजपाई मजबूर हो जाएंगे।

यादव ने दावा किया, उसके बाद चीन हमारे उत्पादों और उद्योगों को धीरे-धीरे बंद करवाने के कगार तक ले जाएगा और उसके बाद मनमाने दाम पर हर चीज की आपूर्ति करेगा। उसके बाद महंगाई-बेरोजगारी बढ़ाएगा। भविष्य के खतरों को लेकर उन्होंने आगाह किया, जब महंगाई और बेरोजगारी ज्यादा होगी तो सरकार के खिलाफ जनता का आक्रोश भी बढ़ेगा और बिना बहुमत की भाजपा की सरकार और भी कमजोर होकर लड़खड़ा जाएगी।

सपा प्रमुख ने कहा, फिर खुद ही लड़खड़ाती भाजपा सरकार चीन के अतिक्रमण को चुनौती नहीं दे पाएगी... उसके बाद हमारी जमीन पर चीन अपना कब्जा और बढ़ाएगा।... इसके बाद भाजपा दोहराएगी कि न कोई न कोई! यादव ने कहा, अगर ये बात ड्रोनवालों को समझ नहीं आ रही है तो उत्तर प्रदेश में विराजमान बुलडोजर वाले प्रवासी जी ही ये सच्चाई समझकर जवाब दें कि चीन ने हमारी कितनी जमीन हड़प ली है, क्योंकि उनका मूल निवास स्थान भी चीन के कब्जे का शिकार हुआ है। सपा अध्यक्ष ने सवाल उठाते हुए कहा, भाजपाई बस देश का क्षेत्रफल बता दें, मतलब ये बता दें कि भाजपा सरकार के आने के समय देश की कुल भूमि जितनी थी, क्या अब भी उतनी ही है या चीनी कब्जे के बाद घट गई है। उन्होंने कहा, दिल्ली वाले न सही, तो लखनऊ वाले पलायन स्पेशलिस्ट ही बता दें कि हमारी कितनी जमीन का पलायन हो गया है, वैसे जनता बखूबी समझती है कि जमीन का पलायन कभी होता नहीं है, जो जमीन चली जाए वो कहीं और चलकर नहीं आती।

उड़ीसा में विफल निजीकरण, यूपी में क्यों दोहराई जा रही गलती?

- निजी कंपनियों पर उपभोक्ता उत्पीड़न का आरोप, यूपी में बिजलीकर्मी, किसान व उपभोक्ता एकजुट

सुरेश गांधी

वाराणसी। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग की है कि उड़ीसा में बिजली वितरण के निजीकरण की विफलता से सबक लेते हुए प्रदेश में पूर्वांचल व दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों के निजीकरण का निर्णय तत्काल वापस लिया जाए। समिति ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने इस पर रोक नहीं लगाई तो सितंबर में पूरे प्रदेश में किसान, उपभोक्ता और बिजलीकर्मी एकजुट होकर आंदोलन करेंगे।

संघर्ष समिति के

पदाधिकारियों ने बताया कि उड़ीसा विद्युत नियामक आयोग ने उपभोक्ता फोरमों की शिकायतों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए टाटा पावर की चारों वितरण कंपनियों का लाइसेंस निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और 10 अक्टूबर को मामले की सुनवाई तय की गई है। आरोप है कि कंपनियाँ उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा देने में पूरी तरह विफल रही हैं। उपभोक्ताओं ने बिजली कटौती, गलत और बेतहाशा बिलिंग, प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाकर परेशान करने और बिना सूचना आपूर्ति रोक देने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। वहीं, पूर्व बिजली कर्मचारियों को किनारे कर उनका भविष्य भी अधर में छोड़ दिया गया है। संघर्ष समिति ने कहा कि उड़ीसा में निजीकरण का प्रयोग 1999 से लगातार असफल साबित हो रहा है। पहले एईएस, फिर रिलायंस और अब टाटा पावरकृतीनों ही कंपनियाँ उपभोक्ता संतुष्टि देने में नाकाम रही हैं। यूपी में यदि यह प्रयोग थोपने की कोशिश हुई तो सबसे अधिक मार गरीब उपभोक्ताओं और किसानों पर पड़ेगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई नेताओं ने प्रदेशवासियों को राधा अष्टमी पर्व की बधाई दी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई प्रमुख नेताओं ने रविवार को प्रदेशवासियों को राधा अष्टमी पर्व की बधाई दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने आधिकारिक एक्स खाते पर एक पोस्ट में कहा, पावन पर्व राधा अष्टमी की सभी श्रद्धालुओं एवं प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई! निष्काम प्रेम, करुणा व भक्ति की साक्षात स्वरूप श्री राधा रानी जी की कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति व समृद्धि का संचार हो, यही प्रार्थना है।जय श्री राधे! उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा, पावन पर्व राधा अष्टमी की सभी श्रद्धालुओं एवं प्रदेशवासियों को अनंत शुभकामनाएं!

न्याय होता हुआ दिखेः तारीख पर तारीख की संस्कृति बदले

-ललित गर्ग

देश के सर्वोच्च न्यायालय ने अपने 75 वर्ष का गरिमामय सफर पूरा किया है। यह केवल एक ऐतिहासिक पड़ाव नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा को परखने का अवसर भी है। न्यायपालिका ने इन आठ दशकों में अनेक युगांतरकारी फैसले दिये, जिन्होंने संविधान की मयार्दा और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की। किंतु आज सबसे बड़ी चुनौती न्याय में विलंब की है। समय पर न्याय न मिले तो न्याय का वास्तविक अर्थ ही खो जाता है। शायद यही कारण है कि न्यायिक बिरादरी के आयोजनों में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्य न्यायाधीशों ने एक स्वर से कहा कि अब ह्वतारीख पर तारीखह्ल की संस्कृति को समाप्त करने का समय आ गया है। जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिये अदालतों में स्थगन की संस्कृति को बदलने के प्रयास करने की सख्त जरूरत है। उन्होंने स्वीकारा कि अदालतों में बड़ी संख्या में लंबित मामलों का होना हम सभी के लिये बड़ी चुनौती है।

सुप्रीम कोर्ट के 75 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि ये केवल एक संस्था की यात्रा नहीं है। ये यात्रा है भारत के संविधान और संवैधानिक मूल्यों की। ये यात्रा है एक लोकतंत्र के रूप में भारत के और परिपक्व होने की। भारत के लोगों ने सुप्रीम कोर्ट पर, हमारी न्यायपालिका पर विश्वास किया है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट के ये 75 वर्ष ह्वमदर ऑफ डेमोक्रेसीह्ल के रूप में भारत के गौरव को और बढ़ाते हैं। आजादी के अमृतकाल में 140 करोड़ देशवासियों का एक ही सपना है विकसित भारत, नया भारत बनने का। नया भारत, यानी सोच और संकल्प से एक आधुनिक भारत। हमारी न्यायपालिका इस विजन का एक मजबूत स्तम्भ है। भारत में लोकतंत्र और उदारवादी मूल्यों को मजबूत करने में न्यायपालिका ने बेहद महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। संविधान का रखवाला, गरीबों के अधिकार एवं सरकार की ज्यादतियों के खिलाफ कमजोर समूहों का योग्य संरक्षक और करोड़ों नागरिकों के लिए आखरी उम्मीद वाला संस्थान है सुप्रीम कोर्ट। कुछ अपवादों को छोड़कर पिछले 75 वर्षों में ज्यादातर समय भारतीय न्यायपालिका संविधान की रक्षा और कानून के शासन को बनाए रखने में सफल रही है। लेकिन भारतीय कानून व्यवस्था के सामने अनेक जटिल स्थितियां भी हैं, न्यायाधीशों की नियुक्ति, बढ़ते केसों की संख्या, जवाबदेही, भ्रष्टाचार एवं विलम्बित न्याय आदि। न्याय को लेकर अदालतों तक आम नागरिकों की पहुंच एवं खर्च के मुद्दों और इसी तरह की दूसरी चीजों के मामले में सुधार के बारे में न्यायपालिका की अपनी महत्वपूर्ण चिंताएं हैं। हमारे कानूनों की भावना है-नागरिक पहले, सम्मान पहले और न्याय पहले है।

इससे पहले जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में त्वरित न्याय की आवश्यकता पर बल दिया था ताकि महिलाओं में अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ सके। निस्संदेह, हाल के वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे हमारे समाजशास्त्री और कानून लागू करवाने वाली विभिन्न एजेंसियां भी हैरान-परेशान हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराधों बढ़ोतरी से पूरा समाज हिला हुआ है। कोलकाता मेडिकल कॉलेज की महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या की घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि अपराधियों के मन से कानून का भय लगभग समाप्त हो चुका है। यही कारण है कि अब न केवल कठोर कानून बल्कि त्वरित और निष्पक्ष न्याय की मांग बलवती हो रही है। आज न्यायपालिका के सामने सबसे बड़ी चुनौती है-न्याय में विलंब। जिला अदालतों से लेकर उच्चतम न्यायालय तक करोड़ों मामले लंबित हैं। केवल जिला अदालतों में ही साढ़े चार करोड़ से अधिक मामले अटके पड़े हैं। यह स्थिति लोकतंत्र की आत्मा को आहत करती है, क्योंकि न्याय में विलंब, न्याय के इनकार के समान है।

दरअसल, लंबित मामलों के पीछे कई कारण हैं-न्यायाधीशों की अपर्याप्त संख्या, अदालती प्रक्रियाओं की जटिलता, अनावश्यक स्थगन, वकीलों द्वारा मुकदमों को खींचना और पुलिस-प्रशासन की लापरवाही। यही वजह है कि अपराधियों के मन से कानून का भय कम होता जा रहा है और आम नागरिक का भरोसा डगमगाने लगता है। भारतीय न्यायिक व्यवस्था की रीढ़ जिला एवं स्थानीय अदालतें हैं। यदि इन स्तरों पर शीघ्र और सस्ता न्याय नहीं मिलेगा, तो सुप्रीम कोर्ट की उपलब्धियां अधूरी मानी जाएंगी। सर्वोच्च न्यायालय समय-समय पर स्वतः संज्ञान लेकर राहत देता रहा है-जैसे हाल ही में डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय प्रोटोकॉल बनवाने की पहल। किंतु जिला स्तर पर ऐसी सजगता और सक्रियता नहीं दिखाई देती। इसलिए सुधार की असली शुरूआत निचले स्तर से ही करनी होगी।

भारतीय न्याय प्रणाली की विसंगतियां और सुधार की राह जटिल है, लेकिन असंभव नहीं है। दृढ़ संकल्प एवं कार्ययोजना के साथ आगे बढ़े तो आजादी के अमृतकाल में हम न्याय प्रणाली को युगांतरकारी मोड़ दे सकते हैं। देश में जनसंख्या के अनुपात में न्यायाधीशों की संख्या बहुत कम है। तत्काल नियुक्तियों और प्रशिक्षण की व्यवस्था होनी चाहिए। ई-कोर्ट, ऑनलाइन सुनवाई, डिजिटल साक्ष्य प्रबंधन जैसे कदम न्याय प्रक्रिया को गति दे सकते हैं। अनावश्यक स्थगन पर अंकुश जरूरी है। क्योंकि स्थगन देने की परंपरा अपराधियों और वकीलों के लिये हथियार बन चुकी है। इस पर कड़ा नियंत्रण जरूरी है। पुलिस व जांच एजेंसियों को दायित्वशील एवं जिम्मेदार बनाना होगा। क्योंकि पुख्ता सबूतों और चार्जशीट समय पर दाखिल करने से ही मामलों में शीघ्र निर्णय संभव है। अदालतों के साथ-साथ वकीलों और पुलिस पर भी जवाबदेही तय करनी होगी। महिलाओं, बच्चों और संवेदनशील मामलों के लिये विशेष फास्ट-ट्रैक अदालतों को और मजबूती देनी होगी।

न्यायिक प्रकिया से जुड़े कामकाज की समीक्षा होनी जरूरी है। वहीं दूसरी ओर विभिन्न मुख्य न्यायाधीशों ने बार-बार निचली अदालतों में न्यायाधीशों की कमी का मुद्दा भी उठाया है। जाहिरा तौर पर संसाधनों की कमी भी न्यायिक प्रक्रिया की गति को प्रभावित करती है। कुछ लोग मानते हैं कि सख्त कानून के साथ ही त्वरित न्याय भी अपराधियों पर मनोवैज्ञानिक दबाव बना पाएगा। यदि पुलिस व जांच एजेंसियां पुख्ता सबूतों के साथ अदालत में पहुंचें तो गंभीर मामलों में आरोप जल्दी सिद्ध हो सकेंगे। यही वजह है कि देश में शीर्ष स्तर पर भी यह धारणा बलवती हो रही है कि विभिन्न हितधारक सामूहिक जिम्मेदारी निभाएं, जिससे उस धारणा को तोड़ा जा सकता है कि न्याय देने वाली प्रणाली तारीख पर तारीख की संस्कृति को बढ़ावा देती है। विश्वास किया जाना चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना के 75 वर्ष होने पर शीर्ष न्यायिक नेतृत्व लंबित मामलों के निपटारे के लिये नई प्रभावी रणनीति बनाएगा। निस्संदेह, भारतीय न्यायिक व्यवस्था की रीढ़ कही जाने वाली जिला अदालतें भी इस दिशा में बदलावकारी पहल कर सकती हैं। जिससे आम आदमी का न्यायिक व्यवस्था में भरोसा और मजबूत हो सकेगा। अमेरिका जैसे देशों में किसी भी मामले के लिए अधिकतम अवधि तीन वर्ष तय है, जबकि भारत में 20-30 वर्षों तक मुकदमे चलते रहना आम बात है। इस विसंगति को दूर करने के लिए नियत अवधि और अधिकतम तारीखों की सीमा तय की जानी चाहिए। हाल ही में लागू हुए तीन नए आपराधिक कानूनों से न्यायिक प्रक्रिया में तेजी की उम्मीद है। यदि इन कानूनों का सही क्रियान्वयन हो, तो ह्वतारीख पर तारीखह्ल की संस्कृति पर अंकुश लग सकता है।

सर्वोच्च न्यायालय का 75 वर्ष का यह सफर लोकतंत्र के इतिहास का गौरवपूर्ण अध्याय है। इस अवधि में आपातकाल जैसे संकटों से लेकर सामाजिक न्याय, पर्यावरण संरक्षण, महिलाओं के अधिकार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तक अनेक क्षेत्रों में इसने ऐतिहासिक निर्णय दिए हैं। किंतु आने वाले 25 वर्षों में न्यायपालिका की असली परीक्षा इस बात पर होगी कि वह न्याय को त्वरित, सुलभ और सर्वसुलभ बना पाती है या नहीं? न्यायपालिका आज भी आम नागरिक के लिये अंतिम आशा की किरण है। परंतु इस भरोसे को जीवित रखने के लिए उसे अपनी कमजोरियों को दूर कर एक नए युग की शुरूआत करनी होगी-जहाँ न्याय केवल ह्वहोता हुआह्ल न रहे, बल्कि ह्वदिखता हुआह्ल भी हो। यही सर्वोच्च न्यायालय की 75 साल की यात्रा का वास्तविक उत्सव और सार्थक स्मरण होगा।

क्या भ्रष्टाचार तकनीक से कम होगा, या नैतिक शिक्षा से?

अशोक भाटिया

क्या भ्रष्टाचार तकनीक से कम होगा, या नैतिक शिक्षा से? इस तरह के प्रश्न पर अक्सर विचारकों के बीच चर्चा की जाती हैः एक अच्छे विचार को बनाए रखने या समाज के नैतिक मानक को बढ़ाने का विचार आदर्शवाद के शीर्ष पर है, और यह भ्रष्टाचार या समाज के नैतिक पतन को रोकने का सबसे महत्वपूर्ण तरीका है; लेकिन सबसे अधिक समय लेने वाला तरीका तकनीकी सुधारों के माध्यम से है, जो खामियों को बंद कर सकता है और भ्रष्टाचार को रोक सकता हैः भ्रष्टाचार से जुड़े कानून नैतिक विचारों पर केंद्रित रहे हैं, जब से समाज ने भ्रष्ट आचरण पर अंकुश लगाने का पहला प्रयास किया। भ्रष्टाचार निषेध कानून लिखे जाने के समय, विधायकों ने निस्संदेह इस बात पर ध्यान केंद्रित किया कि नैतिक या नैतिक रूप से क्या गलत है, ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि किस प्रकार का आचरण भ्रष्टाचार है। इस लेख में, मैं भ्रष्टाचार के संबंध में नैतिकता की जाँच करता हूँ और उन परिस्थितियों का वर्णन करने का प्रयास करता हूँ जिनमें भ्रष्टाचार को नैतिक माना जाएगा। दोनों शब्दों को परिभाषित करने और कांटीय नैतिकता की जाँच करने के बाद, मैं यह निर्धारित करता हूँ कि भ्रष्टाचार नैतिक रूप से स्वीकार्य है या नहीं, यह इस धारणा पर निर्भर करता है कि कोई व्यक्ति कर्तव्य से प्रेरित होकर कार्य करता है, न कि आत्म-संतुष्टि की ओर झुकाव से। फिर मैं भ्रष्टाचार के सकारात्मक और नकारात्मक परिणामों की जाँच करता हूँ, भ्रष्टाचार से ₹निपटने₹ के लिए विभिन्न रणनीतियों को परिभाषित करता हूँ, और फिर भ्रष्ट आचरण को कम करने के एक प्रभावी उपाय के रूप में एकीकृत सामाजिक अनुबंध सिद्धांत का समर्थन होना आवश्यक है।

उपरोक्त प्रश्न पर विचार करते हुए, सबसे पहले ₹भ्रष्टाचार₹ और ₹नैतिक रूप से स्वीकार्य₹ शब्दों को परिभाषित करना आवश्यक है। हालाँकि दोनों शब्दों को परिभाषित करना एक कठिन कार्य है, लेकिन यह निर्धारित करना भी चुनौतीपूर्ण है कि क्या भ्रष्टाचार को ₹नैतिक₹ कहकर उचित ठहराया जा सकता है। हालाँकि ₹नैतिक भ्रष्टाचार₹ कई लोगों के लिए एक विरोधाभास हो सकता है, यह लेख उन परिस्थितियों की जाँच करके और उन परिस्थितियों में किए गए कार्यों को नैतिक रूप से स्वीकार्य या नैतिक रूप से उचित ठहराकर इन दोनों शब्दों को सुधारने का प्रयास करता है। भ्रष्टाचार शब्द अस्पष्ट है और इसे परिभाषित करना आसान नहीं है। भ्रष्टाचार के अलग-अलग अर्थ हो सकते हैं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि वह कृत्य सार्वजनिक या निजी क्षेत्र में होता है (एरास, 2003)। भ्रष्टाचार को गबन, धोखाधड़ी, रिश्वतखोरी, राजद्रोह या हितों के टकराव को बढ़ावा देने वाले कृत्यों के रूप में समझा जा सकता है (एवरेट, न्यू, रहमान, 2006)। इस अस्पष्ट शब्द में विभिन्न प्रकार के भ्रष्टाचार शामिल हो सकते हैं, जिनमें राजनीतिक भ्रष्टाचार, व्यापक भ्रष्टाचार, उत्पादक भ्रष्टाचार और क्षुद्र भ्रष्टाचार आदि शामिल हैं (एवरेट एट अल., 2006)। इस शब्द को परिभाषित करने का प्रयास करने वाले अन्य लेखकों ने लगभग साठ विभिन्न कार्यों को शामिल किया है जो आज की हमारी सोच के अनुसार भ्रष्टाचार का गठन करते हैं (एवरेट एट अल., 2006)। इस शोध पत्र के प्रयोजनों के लिए, भ्रष्टाचार कोई भी ऐसा कार्य होगा जिसे इस विश्वास के कारण अवैध माना जाता है कि यह एक पक्ष को दूसरे पर अनुचित लाभ पहुँचाता है। उदाहरण के लिए, धोखाधड़ी या गबन को भ्रष्ट माना जा सकता है क्योंकि यह धोखाधड़ी करने वाले पक्ष को गैर-धोखाधड़ी करने वाले पक्ष पर व्यक्तिगत लाभ प्रदान करता है। नैतिक रूप से स्वीकार्य₹ या ₹नैतिक₹ शब्द को परिभाषित करना उतना ही कठिन हो सकता है। एक नैतिक कार्य वह होता है जिसे आमतौर पर एक ऐसा कार्य माना जाता है जिसे समाज ने ₹गलत₹ नहीं माना है। मेरियम-वेबस्टर के अनुसार, नैतिकता अच्छे और बुरे के बीच का अनुशासन है...। नैतिकता को अक्सर नैतिकता के अध्ययन के रूप में संदर्भित किया जाता है - जिसे समाज सही या उचित व्यवहार मानता है; इसलिए, जिसे समाज नैतिक मानता है उसे भी नैतिक माना जा सकता है। लेकिन इस शोधपत्र का केंद्र और उद्देश्य स्पष्ट नैतिक संहिताओं के आधार पर नैतिक व्यवहार को परिभाषित करना नहीं है, यह निर्धारित करने के लिए कि कोई चीज नैतिक है या नहीं, हमें उन दर्शनों व तरीकों को देखना होगा जो अच्छे या बुरे व्यवहार को निर्धारित करते हैं।

पहला तरीका भ्रष्टाचार और व्यक्ति को जड़ से खत्म करना है, वैकल्पिक रूप से, समाज सदाचारी बन जाता है। यह एक सकारात्मक सक्रिय तरीका है। इसे दूसरे तरीके से भी हासिल किया जाता है। लेकिन यह नकारात्मक तरीके से है। अर्थात, भ्रष्टाचार को रोका जाता है क्योंकि इसे करना असंभव है या आसानी से उजागर किया जा सकता है। यह बेकार है। तकनीकी प्रगति को उलटकर भ्रष्ट मार्ग पर चलने के प्रयास जारी हैं। कभी-कभी यह सफल होता है। कभी नहीं। भ्रष्टाचार की मूल प्रवृत्ति बनी हुई है। यदि संस्कार या ज्ञान के माध्यम से भ्रष्टाचार को मिटाना है, तो इसके लिए समाज की सामान्य सहमति की आवश्यकता होती है। जिनके पास ऐसा अवसर है, उन्हें इसके लिए तैयार करने के लिए राजनीतिक, सामाजिक या प्रभावी सांस्कृतिक नेतृत्व की आवश्यकता है। इसके लिए प्रभावी कानून बनाने होंगे और उन कानूनों के प्रवर्तन तंत्र को भी सतर्क और कुशल होना होगा। बहुत कुछ इस बात पर भी निर्भर करता है कि भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में न्यायपालिका कानूनों को कितनी जल्दी और सख्ती से लागू करती है। दुर्भाग्य से, वर्तमान में हमारे पास कई क्षेत्रों में प्रभावी नेतृत्व में अंतर है। राजनीतिक नेतृत्व से भी अच्छे व्यवहार की उम्मीद की जाती है। वे ही हैं जो इसके लिए दोषी हैं।

इस चर्चा का कारण यह है कि हम सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों तक ठीक से नहीं पहुंचने या योजनाओं के कार्यान्वयन में सरकारी स्तर पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार होने की शिकायतें सुनने (और यहां तक कि) करने के आदी हैं। 'सरकारी' शब्द इस वजह से बदनाम हो गया है। योजनाएं अच्छी हैं। अब तक की सामान्य धारणा यह है कि वास्तविक समस्या योजना के कार्यान्वयन में है। स्वर्गीय प्रधान मंत्री राजीव गांधी ने एक बार स्वीकार किया था कि वही काम किया जाता है।इस समझ की पुष्टि भी हुई। हालांकि पिछले कुछ दिनों में जो खबर प्रकाशित हुई है, उसकी हकीकत बिल्कुल अलग है। योजना के कार्यान्वयन में कुछ अनियमितताएं हो सकती हैं; लेकिन लाभार्थियों द्वारा कदाचार कम नहीं हैं! आशंका है कि 'लाभ पाने के लिए जिस लाभार्थी को निष्क्रियता के लिए कदाचार में शामिल होना पड़ता है' की परिभाषा अब बदलकर 'सरकारी योजना का लाभ पाने के लिए सरकारी योजना में हेरफेर करने वाला लाभार्थी' कर दी जाएगी। आइए दो उदाहरण देखें।मुफ्त राशन योजना का। कोरोना काल से पहले रियायती दर पर राशन मुफ्त देने का निर्णय लिया गया। बाद में भी ऐसा ही हुआ। कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने पहले 'खाद्य सुरक्षा योजना' के नाम पर इसका प्रयोग किया था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे व्यापक रूप दिया।

80 करोड़ लोगों को हर महीने कुछ आवश्यक वस्तुएं मुफ्त मिलने लगीं। नवीनतम जानकारी के अनुसार, 1.7 करोड़ लाभार्थी योजना के लिए पूरी तरह से अयोग्य पाए गए! 'मुफ्त राशन' के लाभार्थियों में से 94.71 लाख लाभार्थी आयकर का भुगतान करते हैं। 5.31 लाख लाभार्थी किसी कंपनी के निदेशक हैं, जबकि 17.51 लाख लाभार्थियों के पास चार पहिया वाहन हैं। 2019 से 2023 तक पांच वर्षों में 2.18 करोड़ अपात्र लाभार्थियों को हटाने के बाद ये नए 'अपात्र' पाए गए हैं। उद्योग मंत्रालय, परिवहन मंत्रालय और प्रधान मंत्री किसान योजना की जानकारी पर भरोसा किया जा रहा है। महाराष्ट्र की 'मुख्यमंत्री माजी लड़की वाहिनी योजना' को भी पिछले एक साल में 12,000 पुरुष लाभार्थी मिले हैं। जिन बैंक खातों में योजना का लाभ जमा किया गया है, उनमें से 50 लाख बैंक खाते अभी भी 'आधार' हैं।जुड़ा नहीं है। नासिक और जलगांव के जिला परिषदों में काम करने वाले 15 लोगों ने इस योजना का लाभ उठाया है और इसमें एक पुरुष कर्मचारी है! राज्य का महिला एवं बाल कल्याण विभाग भी विभिन्न एजेंसियों से जानकारी मांग रहा है और योजना के अयोग्य लाभार्थियों की पहचान कर रहा है। प्रौद्योगिकी में सुधार; विशेष रूप से, सरकार के व्यापक कम्प्यूटरीकरण और सूचना स्रोतों को एक-दूसरे से जोड़ने की नीति ने विभिन्न योजनाओं में इस तरह के कदाचारों को उजागर किया है; और भी खुलासे होंगेः यह सिर्फ प्रशासन के कर्मचारी नहीं हैं जो अपने भ्रष्ट हितों के कारण गलत हैं; जो लोग भ्रष्टाचार के लिए सरकारी तंत्र को दोषी ठहराते हैं और इसके लिए उन्हें बदनाम करते हैं, वे कम लोग नहीं हैं जो योजना का लाभ उठाते हैं। योजना का लाभ लेने के लिए गलत जानकारी देने वाले या सच्चाई छिपाने वाले लोग कौन हैं, भले ही वे जानते हों कि योजना किसके लिए है? वे भी भ्रष्ट हैं। भ्रष्टाचार में कोई 'बेईमान' भागीदार नहीं हैं; लाभ के लिए 'जानबूझकर' भ्रष्टाचारी हैं। तकनीकी प्रगति आने वाले दिनों में हमारे दृष्टिकोण को मौलिक रूप से बदलने जा रही है।

भारत-चीन-जापान रिश्तों में सहयोग की नई डोर

-सुरेश गांधी

भारत-चीन संबंध लंबे समय से तनाव और विश्वासघात की छाया में रहे हैं। डोकलाम और गलवान जैसी घटनाओं ने यह साफ किया कि सीमा पर सतर्कता आवश्यक है। इसके बावजूद दोनों देशों ने संवाद की डोर पकड़ी है। मानसरोवर यात्रा इसका प्रतीक बनी है, जहां श्रद्धा और कूटनीति का संगम दिखता है। सीमा पर शांति कायम होती है तो व्यापार और सांस्कृतिक सहयोग को नया आधार मिल सकता है। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री का जापान दौरा भारत की ह्वएक्ट ईस्टह्ल नीति को मजबूती देता है। जापान न केवल भारत का भरोसेमंद निवेशक है, बल्कि क्वाड जैसी सुरक्षा पहलों में भी साझेदार है। बुलेट ट्रेन परियोजना से लेकर हरित ऊर्जा और डिजिटल तकनीक तक, जापानी सहयोग भारत की विकास यात्रा को नई गति देता है। इन बदलते समीकरणों का असर पाकिस्तान, अमेरिका और रूस जैसे देशों पर भी पड़ेगा। पाकिस्तान, भारत-चीन की किसी भी नजदीकी से असहज होता है, जबकि अमेरिका के लिए यह संदेश है कि भारत अपनी विदेश नीति स्वतंत्र ढंग से गढ़ रहा है।

ट्रम्पकालीन ह्लटैरिफ दादागिरीह्ल से सबक लेकर भारत अब बहुपक्षीय साझेदारी को प्राथमिकता दे रहा है। रूस के साथ भी भारत का रक्षा व ऊर्जा सहयोग कायम है, जिससे वैश्विक मंच पर संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है। भारत के लिए यह रणनीति अवसरों और चुनौतियों, दोनों को साथ लाती है। चीन के साथ सहयोग से व्यापार बढ़ सकता है, परंतु अंधविश्वास नुकसानदेह होगा। जापान के साथ गहरे संबंध भारत को तकनीकी और आर्थिक मजबूती देंगे। यही संतुलित विदेश नीति भारत को ह्वविश्वगुरुह्ल की भूमिका की ओर अग्रसर कर सकती है। भारत और चीन, एशिया की दो महाशक्तियां, जिनके रिश्तों ने सदियों से व्यापार, संस्कृति और आस्था के अनेक पड़ाव देखे हैं। लेकिन आधुनिक दौर में सीमा विवाद, सामरिक प्रतिस्पर्धा और भू-राजनीतिक तनाव अक्सर इन संबंधों को उलझाते रहे हैं। हाल ही में दोनों देशों के बीच सीमा प्रबंधन पर सहमति और कैलाश-मानसरोवर यात्रा को नया आयाम देने की चर्चा ने इन रिश्तों में सहयोग की एक नई डोर बुनने की संभावना जगाई है।

गलवान घाटी की घटना के बाद रिश्ते बेहद तनावपूर्ण हो गए थे। सीमा पर सैनिक टकराव और विश्वास की कमी ने दोनों देशों को दूर कर दिया। लेकिन अब बातचीत और सहमति के जरिए तनाव कम करने के संकेत मिले हैं। यदि यह पहल ठोस रूप लेती है तो बॉर्डर पर शांति का वातावरण बनेगा, जो व्यापार और आपसी भरोसे को मजबूत कर सकता है। कैलाश-मानसरोवर यात्रा केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक सेतु भी है। श्रद्धालु जब बिना अवरोध इस यात्रा को कर पाएंगे तो यह दोनों देशों के बीच जन-जन के रिश्तों को प्रगाढ़ करेगा। आस्था और विश्वास का यह जुड़ाव कूटनीतिक संवाद को भी सहज बनाएगा। भारत और चीन का व्यापारिक संबंध बहुत गहरा है। भारत जहां चीनी इलेक्ट्रॉनिक्स और मशीनरी पर निर्भर है, वहीं चीन भारतीय बाजार को सबसे बड़े उपभोक्ता के रूप में देखता है। सीमा शांति से व्यापार और निवेश को बढ़ावा मिलेगा, लेकिन चीनी सामान पर अत्यधिक निर्भरता भारत के लिए खतरा भी है। आत्मनिर्भर भारत अभियान और घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देकर ही इस असंतुलन को संतुलित किया जा सकता है।

भारत-चीन रिश्तों में नरमी का असर पाकिस्तान, अमेरिका और रूस जैसे देशों पर भी पड़ेगा। पाकिस्तान के लिए यह स्थिति असहज होगी क्योंकि उसका चीन पर विशेष झुकाव रहा है। अगर भारत-चीन समीपता बढ़ती है तो पाकिस्तान की रणनीति कमजोर पड़ेगी। अमेरिका को यह चिंता होगी कि भारत कहीं उसकी इंडो-पैसिफिक नीति से दूरी न बना ले। ट्रम्प या किसी भी अमेरिकी नेतृत्व की ह्वदादागिरीह्ल भारत पर दबाव बनाए रखने की कोशिश कर सकती है। रूस दोनों देशों को जोड़ने वाले पुल की तरह भूमिका निभा सकता है। ब्रिक्स और एससीओ मंच भारत-चीन-रूस सहयोग का मजबूत आधार बन सकते हैं। यदि सीमा शांति और धार्मिक-सांस्कृतिक आदान-प्रदान आगे बढ़ता है तो एशिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाएं न केवल अपने लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए नए अवसर खोल सकती हैं। लेकिन इसके साथ सतर्कता भी जरूरी है, क्योंकि चीन की नीतियों में अचानक बदलाव असंभव नहीं है।

सीमा विवाद से समझौते तक

भारत और चीन, एशिया की दो सबसे बड़ी महाशक्तियां, जब भी संवाद और सहयोग की राह पर चलती हैं तो उसका असर केवल सीमा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि कूटनीति, व्यापार, सांस्कृतिक जुड़ाव और वैश्विक शक्ति संतुलन तक फैलता है। हाल के दिनों में बॉर्डर सहमति और कैलाश-मानसरोवर यात्रा को लेकर बनी नई सहमति ने रिश्तों में एक नरमी का संकेत दिया है। पिछले कुछ वर्षों में गलवान घाटी जैसी घटनाओं ने रिश्तों को गहरी ठेस पहुंचाई थी। विश्वास का संकट दोनों देशों के बीच स्पष्ट दिखाई दे रहा था। लेकिन अब धीरे-धीरे बॉर्डर प्रबंधन पर बातचीत और तनाव कम करने की कोशिशों से यह संकेत मिल रहा है कि दोनों पक्ष स्थिरता चाहते हैं। हालांकि भारत के लिए यह सावधानी का विषय है कि सीमाई सहमति कहीं रणनीतिक छलावा न बन जाए।

श्रद्धा और कूटनीति का संगम

मानसरोवर यात्रा भारत-चीन संबंधों का एक आध्यात्मिक सेतु है। इस यात्रा को सहज बनाना श्रद्धालुओं के लिए तो राहत है ही, साथ ही यह संकेत भी है कि दोनों देश सांस्कृतिक रिश्तों की मजबूती से राजनीतिक सहयोग का रास्ता बनाना चाहते हैं।

व्यापारिक रिश्तेः अवसर और चुनौतियां

भारत-चीन का व्यापार आज 135 अरब डॉलर से अधिक है। भारत के लिए यह बड़ा बाजार और निवेश का अवसर है, लेकिन घाटे की स्थिति चिंताजनक है। भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि ह्वमेड इन इंडियाह्ल उत्पाद चीन की निर्भरता कम करें और तकनीकी क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़े।

वैश्विक राजनीति और रणनीतिक समीकरण

चीन के साथ भारत की निकटता पाकिस्तान पर दबाव बना सकती है, क्योंकि पाकिस्तान की विदेश नीति बीजिंग पर टिकी है। वहीं अमेरिका और यूरोप चीन को कड़ी नजर से देखते हैं, ऐसे में भारत को संतुलन साधने की चुनौती होगी। रूस, जो पारंपरिक मित्र है, भारत-चीन सहयोग को एक स्थिर एशिया के रूप में देखता है, लेकिन भारत को यह ध्यान रखना होगा कि कहीं वह किसी शक्ति-गुट की कठपुतली न बने।

संभावनाएं और सतर्कता

सहयोग की यह नई डोर भारत के लिए अवसर भी है और चुनौती भी। सीमा पर स्थिरता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान रिश्तों को नई ऊर्जा दे सकते हैं, लेकिन चीन की नीतियों पर भरोसा बिना परख के नहीं किया जा सकता। भारत को अपने हितों की रक्षा करते हुए संवाद की राह पर चलना होगा। मतलब साफ है भारत-चीन रिश्तों की नई पहल एक सकारात्मक संदेश है। सीमा से श्रद्धा तक फैली यह डोर सहयोग और विश्वास की ओर संकेत देती है, लेकिन भारत को यह नहीं भूलना चाहिए कि हर नरमी के पीछे रणनीति छिपी हो सकती है। इसलिए सहयोग की राह पर बढ़ते हुए सतर्क रहना ही भारत के हित में होगा।

भारत-चीन सहयोग बनाम भारत-जापान भरोसा

धार्मिक व सांस्कृतिक : कैलाश-मानसरोवर यात्रा का मार्ग खुलना, श्रद्धालुओं के लिए सहूलियत

बौद्ध व सांस्कृतिक धरोहर से प्राचीन जुड़ाव, शांति व लोकतंत्र की साझी धारा

सुरक्षा : सीमा विवाद अभी भी जीवित, भरोसा सीमित, हिंद-प्रशांत और क्वाड में गहरा सहयोग, रक्षा समझौते और संयुक्त अभ्यास

आर्थिक : व्यापार बड़ा लेकिन असंतुलित, चीन से भारी आयात

टेक्नोलॉजी, बुनियादी ढांचा और निवेश में भरोसेमंद साझेदारी, मतलब साफ है व्यापार और निवेश के नए अवसर खुल सकते हैं, एशियाई बाजार में भारत की स्थिति मजबूत होगी। व्यापार बढ़ने पर भी चीन से भारत का आयात कहीं अधिक है, जिससे घाटा और निर्भरता बढ़ सकती है।

रणनीतिक महत्व : संबंध जरूरी लेकिन सतर्कता के साथ

दीर्घकालिक भरोसे पर आधारित साझेदारी यानी रूस और अमेरिका के बीच संतुलन साधते हुए भारत एशिया में नई शक्ति संरचना का अहम हिस्सा बन सकता है। जबकि चीन का पाकिस्तान से गहरा रिश्ता और सीपेक (सीपीईसी) परियोजना भारत की सुरक्षा चुनौती बनी रहेगी.

भरोसे का संकटः चीन अक्सर समझौतों के बाद पीछे हटने का इतिहास रखता है, जिससे अचानक तनाव का खतरा बना रहेगा।

भूराजनीतिक दबावः अमेरिका और पश्चिमी देशों से भारत के रिश्तों पर असर पड़ सकता है यदि चीन से नजदीकी बहुत बढ़ी। मतलब साफ है सीमा से श्रद्धा तक बढ़ी यह नई डोर तभी स्थायी लाभ देगी जब भारत सजग रहकर कूटनीतिक और आर्थिक संतुलन साधे। सहयोग की राह खुल रही है, परंतु सतर्कता ही भारत हित की सच्ची गारंटी है।

भारत का नफा-नुकसान

नफाः श्रद्धा, सीमित व्यापारिक लाभ,

नुकसानः सुरक्षा जोखिम, व्यापार घाटा

नफा टेक्नोलॉजी, निवेश, सुरक्षा सहयोग

नुकसानः सीमित बाजार, चीन की नाराजगी

रूस और अमेरिका

रूसः परंपरागत मित्र, रक्षा और ऊर्जा सहयोग का बड़ा स्तंभ। हालांकि यूक्रेन युद्ध ने रूस को चीन पर अधिक निर्भर कर दिया है, जिससे भारत को रणनीतिक संतुलन साधना पड़ रहा है।

अमेरिकाः इंडो-पैसिफिक रणनीति और तकनीकी सहयोग का अहम साझेदार। ट्रम्प काल में ह्लटैरिफ दादागिरीह्ल से व्यापारिक तनाव दिखा, लेकिन समग्र रूप से अमेरिका भारत की सबसे भरोसेमंद टेक्नोलॉजी और सुरक्षा साझेदारी बना हुआ है।

भारत को संभावित लाभ

1. आर्थिक मोर्चे पर ह चीन के साथ रिश्ते सुधरने से व्यापारिक सहयोग की नई संभावनाएं बन सकती हैं। भारत की आईटी, फार्मा और कृषि आधारित उत्पादों के लिए बड़ा बाजार खुल सकता है।

2. रणनीतिक दृष्टि से पाकिस्तान पर चीन का अंधा समर्थन यदि कम होता है, तो भारत के लिए यह सबसे बड़ी कूटनीतिक जीत होगी।

3. क्षेत्रीय शांतिः सीमा क्षेत्रों में शांति से भारत अपनी ऊर्जा विकास और सुरक्षा पर केंद्रित कर सकेगा।

नुकसान की आशंकाएं

1. व्यापारिक असंतुलन ह चीन पहले ही भारत में सस्ते सामान की बाढ़ लाकर स्थानीय उद्योग को नुकसान पहुंचा चुका है। रिश्तों में सुधार से यह खतरा और बढ़ सकता है।

2. रणनीतिक अविश्वासः चीन की नीतियां अक्सर दोहरे मापदंड वाली रही हैं। एक ओर सहयोग की बात और दूसरी ओर पाकिस्तान को हथियार देना, भारत के लिए जोखिम भरा हो सकता है।

3. अमेरिकी असहजताः भारत-चीन निकटता से अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ भारत के रिश्तों पर असर पड़ सकता है। वैश्विक समीकरण और भारत का हित

भारत-चीन सहयोग से पाकिस्तान का भारत-विरोधी एजेंडा कमजोर पड़ सकता है। वहीं रूस को एशिया में ह्लस्थिर त्रिकोणह्व बनाने का मौका मिलेगा। ट्रंप जैसी अमेरिकी दादागिरी वाली नीतियों का संतुलन साधने के लिए भारत के पास एक विकल्प और होगा। लेकिन भारत को यह संतुलन बेहद सतर्कता से साधना होगा ताकि कहीं यह ह्वदो नावों में सवारह्व होने की स्थिति न बन जाए। भारत-चीन रिश्तों में नई पहल केवल सीमा विवाद या तीर्थयात्रा तक सीमित नहीं है। इसका असर पाकिस्तान की रणनीति, अमेरिका की दबाव वाली नीतियों और रूस की भूमिका तक फैला है। यदि दोनों देश सहयोग की डोर को मजबूती से थामते हैं, तो यह केवल एशिया ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया की स्थिरता और विकास के लिए निर्णायक मोड़ साबित हो सकता है।

भारत-चीन रिश्तों में नई हवा

भारत और चीन, एशिया की दो सबसे पुरानी सभ्यताएं और दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश। दोनों के रिश्तों का इतिहास उतना ही पुराना है जितना गंगा और यांग्त्से का बहाव। कभी बौद्ध धर्म और व्यापार ने इनको जोड़ा, तो कभी सीमा विवादों और युद्ध ने दूरियां पैदा कीं। आज जब वैश्विक राजनीति तेजी से बदल रही है, ऐसे में भारत-चीन रिश्तों में बॉर्डर सहमति और मानसरोवर यात्रा पर बनी सहूलियत नई आशाओं की किरण लेकर आई है। यह किसी से छुपा नहीं कि भारत-चीन सीमा विवाद दशकों से रिश्तों का सबसे बड़ा अवरोध है। 1962 का युद्ध, डोकलाम की तनातनी और 2020 का गलवान संघर्ष आज भी दोनों देशों की स्मृति में ताजा है। सीमा पर तनाव केवल सैनिकों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह व्यापार, पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर भी गहरा असर डालता है। हाल ही में बॉर्डर प्रबंधन को लेकर हुई सहमति इस लिहाज से अहम है कि यह विश्वास बहाली की दिशा में ठोस कदम हो सकता है। यदि यह सहमति जमीन पर उतरती है, तो सीमाई इलाकों में शांति कायम होगी, लोगों का आवागमन आसान होगा और रक्षा बलों पर तनाव घटेगा। भारत-चीन रिश्ते कभी आसान नहीं रहे। अविश्वास की दीवारें अभी भी खड़ी हैं। लेकिन बॉर्डर सहमति और मानसरोवर यात्रा जैसी पहलें विश्वास बहाली की नई शुरूआत हो सकती हैं। यह केवल दो देशों के बीच का समझौता नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था, व्यापारिक रिश्तों की मजबूती और एशिया की स्थिरता से जुड़ा विषय है। यदि दोनों देश ईमानदारी से इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हैं, तो भविष्य में न केवल सीमा पर शांति स्थापित होगी, बल्कि भारत और चीन मिलकर 21वीं सदी को एशिया की सदी बनाने की राह भी प्रशस्त कर सकते हैं।

भारत-जापान के रिश्तों में नई मजबूती

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हालिया जापान दौरा भारत-जापान संबंधों में मील का पत्थर साबित हुआ है। इस यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि रही जापान का ऐलान, अगले दस वर्षों में भारत में 10 ट्रिलियन येन (करीब 6.5 लाख करोड़ रुपये) का निजी निवेश। इसे भारत की विकास गाथा में निर्णायक कदम माना जा रहा है। यात्रा के दौरान दोनों देशों ने ह्लजॉइंट विजन फॉर द नेक्स्ट डिकेडह्व जारी किया, जिसमें आर्थिक विकास, रक्षा सहयोग, डिजिटल नवाचार, क्रिटिकल मिनरल्स, स्वास्थ्य, हरित ऊर्जा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई। यह रोडमैप आने वाले दशक में साझेदारी की दिशा तय करेगा। जापान पहले ही दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर, बुलेट ट्रेन परियोजना, इंफ्रास्ट्रक्चर और मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्रों में भारत का बड़ा साझेदार है। अब यह नया निवेश भारत की ह्लमेक इन इंडियाह्ल और ह्लवोकल फॉर लोकलह्ल जैसी पहलों को वैश्विक बाजार से जोड़ने वाला साबित होगा। भारत के बढ़ते स्टार्टअप ईकोसिस्टम, डिजिटल इंडिया मिशन, सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और हरित ऊर्जा क्षेत्रों में यह निवेश निर्णायक साबित होगा। जापान के निवेश से भारत को न केवल पूंजी बल्कि अत्याधुनिक तकनीक और प्रबंधन का लाभ भी मिलेगा। मोदी ने जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा के अलावा पूर्व प्रधानमंत्रियों योशीहिदे सुगा और फूमियो किशिदा से भी मुलाकात की। जापानी संसद अध्यक्ष व सांसदों से बातचीत ने इस रिश्ते को द्विदलीय समर्थन का स्थायी आधार दिया। एक ऐतिहासिक पहल के तहत जापान के 16 प्रीफेक्चर्स के गवर्नरों ने भी पीएम मोदी से भेंट की। यह राज्य-स्तरीय जुड़ाव निवेश और सांस्कृतिक सहयोग को जन-जन तक पहुंचाने वाला कदम है। भारत-जापान की यह साझेदारी केवल द्विपक्षीय नहीं है, बल्कि वैश्विक राजनीति और एशियाई संतुलन में भी अहम भूमिका निभाती है। क्वाड और इंडो-पैसिफिक रणनीति के तहत दोनों देश लोकतांत्रिक मूल्यों और समुद्री सुरक्षा की गारंटी के रूप में उभर रहे हैं। कुल मिलाकर, मोदी का यह दौरा भारत-जापान रिश्तों को आर्थिक से लेकर सांस्कृतिक और रणनीतिक तक हर स्तर पर नई ऊँचाई देने वाला साबित हुआ है। विशेष रूप से रक्षा और सुरक्षा सहयोग पर भी जोर दिया गया। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता और समुद्री मार्गों की सुरक्षा को देखते हुए भारत और जापान की साझेदारी विश्व शांति और स्थिरता के लिए अहम है। भारत की ह्लएक्ट ईस्टह्ल नीति और जापान की ह्लफ्री एंड ओपन इंडो-पैसिफिकह्ल दृष्टि एक-दूसरे को पूरक बनाती हैं।

संजिवनी ब्लड ग्रुप रजिस्ट्री ऐप से गणेश मंडलों के लिए अभिनव प्रतियोगिता

संजीवनी ब्लड रजिस्ट्री ॲप
SANJIVANI

मुंबई (उत्तरशक्ति)। इस बार के गणेशोत्सव में धार्मिक उत्साह के साथ-साथ समाजसेवा का एक अनोखा संगम दिखाई देगा। गणेश मंडलों के लिए संजिवनी ब्लड ग्रुप रजिस्ट्री ऐप डाउनलोड प्रतियोगिता आयोजित की गई है। इस पहल से गणेशभक्तों को पुरस्कार जीतने का अवसर तो मिलेगा ही, साथ ही रक्तदान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने का अवसर भी प्राप्त होगा। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक गणेश मंडलों को आयोजकों से फोन पर संपर्क कर अपनी पंजीकरण करवानी होगी। मंडल के सदस्यों को संजिवनी ब्लड ग्रुप रजिस्ट्री ऐप गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड करना होगा और उसके बाद गूगल फॉर्म के माध्यम से नाम, मोबाइल नंबर और मंडल का कोड भरना होगा। सबसे अधिक डाउनलोड करने वाले 5 गणेश मंडलों को मान्यवरों के हाथों से पुरस्कार और सम्मानचिन्ह देकर गौरवान्वित किया जाएगा।पंजीकरण एवं अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 8169374092 और ई-मेल : sanjivanibloodapp @gmail.com पर संपर्क करें. इस पहल से रक्तदाताओं की उपलब्धता बढ़ेगी, समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता का निर्माण होगा और अनेक रोगियों की जान बच सकेगी। गणेशोत्सव को सामाजिक जिम्मेदारी का एक अनोखा आयाम प्राप्त होगा, ऐसा विश्वास आयोजकों ने व्यक्त किया है. वॉकहार्ट फाउंडेशन की ओर से यह भी कहा गया कि, लोकमान्य तिलक से ही सार्वजनिक गणेशोत्सव में सामाजिक जिम्मेदारी की परंपरा रही है. वॉकहार्ट फाउंडेशन की संकल्पना से बना यह ऐप पूरी तरह निःशुल्क है। इस ऐप की मदद से आपातकालीन परिस्थिति में रक्त बैंकों को एक क्लिक पर पंजीकृत रक्तदाताओं से संपर्क साधने की सुविधा मिलती है।

डॉ. बाबासाहेब विचार मंच सामाजिक संस्था की बैठक संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई के चिंचपोकली उत्कृष्ट सभा गृह में आज 31 दिसम्बर 2025 को सायं 5 बजे डॉ. बाबासाहेब विचार मंच सामाजिक संस्था की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता मंच के अध्यक्ष आर.एन. यादव ने की। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक एवं वरिष्ठ साहित्यकार-पत्रकार मधुराज मधु, डॉ. अमर बहादुर पटेल, वरिष्ठ पत्रकार नामदार राही, पत्रकार यशपाल शर्मा, शिक्षिका विद्या शर्मा, प्रोफेसर ऊषा मधु, डॉ. शशिकाला पटेल, कवि रवि यादव, व्यवसायी मिथुन कांबले एवं अशोक वाघमारे, साथ ही पूर्व ए.सी.पी. मुंबई संजय जगताप विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में यह स्पष्ट किया गया कि संस्था का मुख्य उद्देश्य डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों को समाज तक पहुँचाना और उन्हें व्यवहारिक जीवन में उतारना है। मंच ने समाज के दबे-कुचले, गरीब और जरूरतमंद वर्ग के लिए शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में सहयोग प्रदान करने का संकल्प लिया। संस्था ने यह निर्णय भी लिया कि जरूरतमंद विद्यार्थियों को उनकी पढ़ाई में हरसंभव सहायता दी जाएगी तथा गंभीर रोगों से पीड़ित मरीजों को आर्थिक एवं सामाजिक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यक्रम में उपस्थित विद्वानों ने बारी-बारी से अपने विचार रखते हुए संविधान की मूल भावना को जन-जन तक पहुँचाने और समाज में समानता व न्याय की स्थापना के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प दोहराया। यह बैठक डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के मिशन को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस कार्यक्रम के बाद दूसरी बैठक ठाणे में, तीसरी डोंबिवली व चौथी बैठक नवीं मुंबई में आयोजित की जाएगी। जिसकी जानकारी सभी सदस्य को समय से अवगत कराया जाएगा।

पालघर पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई, जिलेभर में चलाया गया ऑल आउट ऑपरेशन, कई मामलों में हुई कार्रवाई

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर पुलिस ने पुलिस अधीक्षक यतिश देशमुख (भापोसे) के आदेशानुसार शनिवार 30 अगस्त 2025 को जिले में बड़े पैमाने पर ऑल आउट ऑपरेशन चलाया। यह अभियान दोपहर 2 बजे से रात 12 बजे तक जिले के सभी 16 पुलिस थानों के अंतर्गत एकसाथ चलाया गया। इस दौरान जिलेभर में नाकाबंदी, कॉबिंग और छापेमारी जैसी कार्रवाई की गई। ऑपरेशन के दौरान की गई कार्रवाई में 27 स्थानों पर नाकाबंदी की गई तथा 19 स्थानों पर कांबिंग ऑपरेशन चलाया गया। इस महत्वपूर्ण कारवाई में दारूबंदी कानून के तहत 14 मामले दर्ज करते हुए ?1,27,690/- का माल जब्त किया गया। मोटर वाहन अधिनियम के तहत 128 केस, ?54,000/- जुमार्ना वसूल किया गया। 73 हिस्ट्रीशीटर, 45 कुख्यात अपराधी व 22 जेल से छूटे आरोपियों की जांच की गई। 51 लोगों के बी-रोल व 20 लोगों के ए-रोल दर्ज किए गए। बीएनएसएस की धारा 126(23) के अंतर्गत 23 व्यक्तियों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। 34 वारंट व 95 समन को अमल में लाया गया। भा.दं.सं. की धारा 285 के तहत 24 यातायात नियम उल्लंघन मामले दर्ज किए गए। कोटपा कानून के तहत 6 मामले, ?1700/- जुमार्ना वसूल किया गया। इस पूरे ऑपरेशन में पुलिस अधीक्षक यतिश देशमुख एवं अपर पुलिस अधीक्षक विनायक नरले के मार्गदर्शन में, उपविभागीय पुलिस अधिकारी, 72 पुलिस अधिकारी व 342 पुलिस कर्मचारी शामिल रहे।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता गणेशोत्सव कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल, दहिसर (तारापुर, जिला पालघर) का 81वां अढ़ाई दिन का गणेशोत्सव इस वर्ष भी भक्तिभाव, आनंद और उल्लास के साथ संपन्न हो गया। वर्ष 1945 में स्थापित इस मंडल ने आज तक एक गांव, एक गणपति की परंपरा को कायम रखा है। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने 1893 में गणेशोत्सव को सार्वजनिक स्वरूप दिया था। स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणा से शुरू हुआ यह पर्व आज भी समाज को एकजुट करने और बंधुत्व का संदेश देने का कार्य करता है।

इस बार की विशेषता रही मध्यम ऊंचाई की शाडू मिट्टी की गणेश प्रतिमा और पर्यावरण स्नेही सजावट। मंडप पूरी तरह बांस से निर्मित था, छत धान की पुआल से सजाया गया था, बांस की टोकरी से बने कंदील और आम्रपत्रों के तोरण आकर्षण का केंद्र बने। साथ ही ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी झलकियां भी प्रदर्शित की गईं। ग्रामवासी हर वर्ष अपनी इच्छा अनुसार इस मंडल की मदद करते हैं। कम खर्च में प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का संदेश ही इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य रहा।

उत्सव के दौरान धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई। भक्तों को घर का बना प्रसाद वितरित किया गया। तालझमृदंग की गूंज में आरती का आयोजन हुआ। शैक्षणिक प्रतियोगिताओं में रंगभरण, चित्रकला, हस्तलेखन, कविता, भाषण, वेशभूषा, एकपात्री अभिनय, गीतझगायन आदि शामिल रहे।

10वीं, 12वीं, स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर सफल विद्यार्थियों को मंडल के संस्थापक स्व. पंढरीनाथ काशीनाथ राऊत (मुंबई-दहिसर) की स्मृति में पुस्तकें भेंट कर सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में एकल नृत्य, समूह नृत्य, लावणी, एकांकिका और जादू के कार्यक्रम हुए, जिनमें विद्यार्थियों, युवकों और ग्रामस्थों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विसर्जन यात्रा में ढोल ताशों की गूंज रही, लेकिन गुलाल की जगह फूल बरसाकर पर्यावरण पूरक संदेश दिया गया। इस गणेशोत्सव कार्यक्रम में प्रा. संजय घरत द्वारा अनेक गणमान्य लोगों को आमंत्रित किया गया था। गांववासियों ने इस गणेशोत्सव के माध्यम से समाज को एक अलग दिशा दी। अंत में मंडल की ओर से प्रार्थना की गई कि गणपति बप्पा सभी को आनंद, सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करें।

मुंबई भाजपा सचिव अजय तिवारी ने मुख्यमंत्री आवास वर्षा पर गणपति बप्पा का आशीर्वाद लिया। इसके अलावा मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस को शाल पहनाकर स्वागत किया।

रमाबाई अपार्टमेंट दुर्घटना में घायलों से की परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने मुलाकात, क्लस्टर योजना लागू करने की घोषणा

पालघर(उत्तरशक्ति)। वसई-विरार महानगरपालिका क्षेत्र के नारंगी रोड, विरार (पूर्व) में रमाबाई अपार्टमेंट का हिस्सा गिरने से हुई दुर्घटना में घायलों का हालचाल जानने के लिए महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने शुक्रवार को विरार (पश्चिम) स्थित प्रकृती अस्पताल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने घायलों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और परिजनों से संवाद साधते हुए उन्हें सांत्वना दी। इसके बाद मंत्री सरनाईक ने वसई-विरार महानगरपालिका मुख्यालय में आपात बैठक लेकर दुर्घटनास्थल का निरीक्षण किया और प्रभावित नागरिकों से चर्चा की। बैठक में सांसद डॉ. हेमंत सवरा, विधायक राजेंद्र गावित, विधायक राजन नाईक, जिलाधिकारी डॉ. इंदु रानी जाखड़, वसई-विरार महानगरपालिका आयुक्त मनोज सूर्यवंशी सहित

वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री सरनाईक ने तात्कालिक निवास की समस्या का समाधान करने के लिए म्हाडा के उपाध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजीव जयस्वाल से चर्चा की और म्हाडा की 60 आवासीय इकाइयाँ महानगर पालिका को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाएँ न हों, इसके लिए उन्होंने प्रशासन को तुरंत ठोस कदम उठाने के आदेश दिए। साथ ही वसई-विरार में क्लस्टर योजना एवं झोपड़पट्टी पुनर्वसन योजना लागू करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस विषय पर मंत्रालय में बैठक कर निर्णय लिया जायेगा। मंत्री प्रताप सरनाईक ने इस संदर्भ में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से भी चर्चा की है। उपमुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि इस दिशा में तात्कालिक और उचित कार्रवाई की जायेगी।

साकीनाका के राजीव नगर में युवा समाजसेवक के प्रयास से सड़क मरम्मत का कार्य शुरू

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पिछले तीन साल से मुंबई मनपा का सारा कामकाज आयुक्त के अधीन चलाया जा रहा है। इस कारण उपनगर की अनेक झोपड़पट्टियों में गंदगी, पानी की समस्या और सड़कों की बदतर हालत देखने में आ रही है। खास बात यह है कि मुंबई के कुछ वार्डों में वहां के जागरूक समाजसेवकों की ओर से मनपा के संबंधित विभागों में वहां की समस्या को अवगत कराया जा रहा है। इसके अलावा एक जनप्रतिनिधि की तरह कार्य भी करवाया जा रहा है। ऐसा ही कुछ मामला कुर्ला एल वार्ड के अंतर्गत आने वाले वॉर्ड क्रमांक 161 के राजीव नगर में देखने को मिला। जहां आए दिन हो रही बरसात से साकीनाका वार्ड क्रमांक 161 की बस्तियों में सड़कों की हालत बदतर हो गई है।

जिसके कारण श्री गणेशजी के विसर्जन में किसी तरह की दिक्कत न हो इस परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते यहां के युवा समाजसेवक प्रदीप बंड द्वारा राजीव नगर की जर्जर सड़क पर डामर डलवाने का कार्य शुरू कराया गया है। बता दें कि संपूर्ण महाराष्ट्र में इस समय प्रमुख पर्व गणेशोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। किंतु वार्ड क्रमांक १६१ के राजीव नगर में सड़क की हालत काफी जर्जर हो गई है। श्री गणेशजी के विसर्जन में किसी भी तरह की दिक्कत न हो इस परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए युवा समाजसेवक प्रदीप बंड की ओर से स्वयं खड़े रहकर मनपा कर्मियों से सड़क पर डामर डलवाने का कार्य शुरू कराया गया है।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रदीप बंड ने कहा कि वॉर्ड क्रमांक १६१ में पानी की समस्या हो या साफ सफाई की या फिर सड़क मरम्मत का कार्य वे हमेशा ही यहां की समस्याओं को सुलझाने के लिए तत्पर रहते हैं।

जेन एस लाइफ ने अपनी एक्सक्लूसिव पॉडकास्ट सीरीज लॉन्च की

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारत की 60+ कम्युनिटी को सशक्त बनाने के लिए समर्पित जेन एस लाइफ अपना विशेष पॉडकास्ट सीरीज कहानी अभी बाकी है का पहला एपिसोड 29 अगस्त को शाम 4 बजे शेमारू लाइफस्टाइल के यूट्यूब चैनल पर लॉन्च किया। इस डेब्यू एपिसोड में दर्शकों को वरिष्ठ और चर्चित अभिनेता टीकू तलसानिया के जीवन, करियर और निजी अनुभवों की प्रेरणादायक यात्रा देखने मिली। कहानी अभी बाकी है जेन एस लाइफ की एक अनोखी पहल है, जिसमें प्रतिष्ठित हस्तियाँ अपने अनकहे किस्से, जीवन से सीखे सबक और वे दृष्टिकोण साझा करती हैं, जो पीढ़ी दर पीढ़ी प्रेरणा देते रहे हैं। खास बात यह है कि सभी प्रतिभागी वरिष्ठ नागरिक हैं। पॉडकास्ट के बारे में बात करते हुए वरिष्ठ अभिनेता टीकू तलसानिया ने कहा, ईश्वर ने मनुष्य को इसलिए बनाया क्योंकि उन्हें कहानियाँ पसंद हैं और मनुष्य से बड़ा कहानीकार कौन हो सकता है। कहानियाँ कभी समाप्त नहीं होतीं, वे हर अध्याय के साथ आगे बढ़ती रहती हैं। इस इंडस्ट्री में दशकों गुजारने के बाद भी मुझे लगता है कि मेरी यात्रा अभी ज़िंदा है, लगातार आगे बढ़ रही है, और हर नए अनुभव के साथ सीखने व बाँटने के लिए और बहुत कुछ है। इस पॉडकास्ट के जरिए मैं सिर्फ अपनी यादें ही नहीं, बल्कि यह विश्वास भी

साझा करना चाहता हूँ कि जीवन में हमेशा कुछ नया खोजने, सीखने और मनाने के अवसर बने रहते हैं। मुझे खुशी है कि मैं इस पहल का हिस्सा हूँ, जो उन अनुभवों और आवाजों को महत्व देती है, जिन्हें अक्सर अनसुना कर दिया जाता है। जेन एस लाइफ की संस्थापक मीनाक्षी मेनन ने कहा, कहानी अभी बाकी है का उद्देश्य उन वरिष्ठ नागरिकों की असाधारण यात्राओं का उत्सव मनाना है, जिनके पास अनुभव, स्नेह और प्रेरणा का अनमोल खजाना है। हमें गर्व है कि हमारे पहले अतिथि टीकू तलसानिया जी हैं। उनकी कहानी जीवन को एक निरंतर रोमांच के रूप में अपनाने और कभी न रुकने की भावना को खूबसूरती से दशार्ती है।

मोहन गोपीनाथ, प्रमुख झ्र बॉलीवुड व्यवसाय, शेमारू एंटरटेनमेंट लिमिटेड ने कहा, एक ऐसी संस्था का हिस्सा होना, जो पिछले छह दशकों से विभिन्न भाषाओं और क्षेत्रों में दर्शकों का मनोरंजन करती आ रही है और आज भी उतनी ही गहराई से उनसे जुड़ी हुई है – यह अनुभव अत्यंत विनम्रता और प्रेरणा से भर देता है। शेमारू सदैव ऐसी कहानियों का प्रतीक रहा है जो समय की सीमाओं से परे होती हैं। कहानी अभी बाकी है जैसे उपक्रम हमें यह याद दिलाते हैं कि कहानी कहने की यात्रा कभी समाप्त नहीं होती – वह निरंतर विकसित होती रहती है। पॉडकास्ट की होस्ट तराना राजा ने अपने विचार साझा करते हुए कहा, मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मुझे ये शानदार कहानियाँ सबसे पहले सुनने को मिलती हैं! टीकू जी के साथ तो यह खुशी और भी बढ़ गई क्योंकि उनकी ऊर्जा, हास्य और ज्ञान आज भी उतना ही जीवंत है। उन्होंने कहा था मैं किसी बुजुर्ग को सीधे नहीं आने दे सकता और मैं इसकी गवाह हूँ! कहानी अभी बाकी है केवल पुरानी यादों को ताजा करने के लिए नहीं है, बल्कि यह दशार्ने के लिए है कि हमारे वरिष्ठ नागरिक अपनी निरंतर चलती यात्राओं से अब भी प्रेरणा देते हैं। मैं इस मंच का हिस्सा बनकर बेहद उत्साहित हूँ, जो उनका सम्मान करता है।

धामनकर नाका मित्र मंडल द्वारा नेत्र चिकित्सा शिविर का भारी संख्या में गणेश भक्तों ने उठाया लाभ

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। 'एकत्मता चा राजा' के रूप में मनाये जाने वाले भिवंडी के धामनकर नाका मित्र मंडल द्वारा श्री भैरव नेत्र चिकित्सालय के सहयोग से सार्वजनिक गणेशोत्सव के दौरान आयोजित नेत्र चिकित्सा शिविर का गणेश भक्तों का भारी प्रतिसाद रहा है। शनिवार शाम को मंडल के मुख्य पदाधिकारी स्वर्गीय विजय गुज्जा की स्मृति में आयोजित नेत्र चिकित्सा शिविर का उद्घाटन सहायक पुलिस आयुक्त सचिन सांगले ने मंडल अध्यक्ष संतोष शेट्टी, भैरव सेवा समिति के अनिल जैन, संजय शाह, दिलीप पोद्दार, हसमुख पटेल, मोहन बल्लेवार की उपस्थिति में किया गया। बतादें कि धामनकर नाका मित्र मंडल गणेशोत्सव को केवल एक धार्मिक उत्सव के रूप में नहीं मना रहा है बल्कि सामाजिक कार्यों के माध्यम से समाज की मदद करने की भावना

से मनाया जा रहा है। उक्त अवसर पर उद्घाटक सहायक पुलिस आयुक्त सचिन सांगले ने अपने वक्तव्य में अपील करते हुए कहा कि धामनकर नाका मित्र मंडल का अनुसरण कर अन्य गणेशोत्सव मंडलों को गणेशोत्सव के दौरान सामाजिक कार्य किया जाना चाहिए। गणेशोत्सव के दौरान नेत्र उपचार शिविर के आयोजन का यह पाँचवाँ वर्ष है। शाम 5 बजे से रात 10 बजे के बीच 335 मरीजों की जाँच की गई।

भिवंडी महानगरपालिका में भारी उलटफेर, 74 कर्मचारियों के तबादले से मचा हडकंप

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका के प्रशासक एवं आयुक्त अनमोल सागर द्वारा दिनांक 29 अगस्त 2025 को एक आदेश जारी किया गया जिसमें कई वर्षों से एक ही जगह कार्य कर रहे कर्मचारियों को अलग-अलग विभागों में बदली का आदेश दिया गया है। बतादें कि महाराष्ट्र सरकारी कर्मचारी स्थानांतरण विनियमन एवं सरकारी कर्तव्य पालन में विलम्ब निवारण अधिनियम, 2005 की धारा 4 के अनुसार वर्ष 2017 से एक ही विभाग में कार्यरत 74 कर्मचारियों को अन्य विभागों में स्थानांतरित कर दिया है। स्थानांतरणों का आदेश 29.08.2025 की शाम को जारी किए गए। आयुक्त ने इस आदेश के अनुसार स्थानांतरित सभी कर्मचारियों को तुरंत नए विभाग में कार्यभार ग्रहण करने का आदेश दिया है। भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका में क्लर्क के पद

पर कार्यरत कई कर्मचारी वर्षों से एक ही विभाग में कार्यरत थे। इस संबंध में आयुक्त को नागरिकों, सामाजिक कार्यकताओं से शिकायतें मिल रही थीं कि विभागाध्यक्षों की निर्दिष्ट अवधि के भीतर स्थानांतरण किया जाना चाहिए लेकिन कई विभागों के क्लर्क वर्षों से एक ही पद पर या एक ही विभाग में कार्यरत थे, जिससे उनके कामों में अनियमिता थी। इसी के तहत 2017 से एक ही विभाग में कार्यरत कर्मचारियों का अन्य विभागों में स्थानांतरण किया जा रहा है। आयुक्त ने चेतावनी दी है कि यदि स्थानांतरित कर्मचारी नई जगह कार्यभार ग्रहण नहीं करते हैं या स्थानांतरण रद्द करने अथवा संशोधित करने के लिए राजनीतिक गैर-राजनीतिक दबाव बनाते हैं तो उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

डीएम एवं एसपी ने श्री गणेश प्रतिमा के विसर्जन के लेकर विसर्जन घाट का निरीक्षण

जिला कारागार का औचक निरीक्षण कर बैरकों की ली गई सघन तलाशी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र के द्वारा श्री गणेश प्रतिमा के विसर्जन के दृष्टिगत विसर्जन घाट का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी के द्वारा अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद जौनपुर को निर्देशित किया गया कि विसर्जन घाट पर कुण्ड की सफाई, बैरिकेडिंग, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था तथा सुरक्षा के साथ अन्य व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि विसर्जन के दृष्टिगत पर्याप्त संख्या में पुलिस फोर्स की व्यवस्था की जाए। इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका सहित अन्य उपस्थित रहे।

इसके पश्चात जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र द्वारा पुलिस अधीक्षक डॉ० कौस्तुभ के साथ जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बैरकों की सघन तलाशी ली गई, इस दौरान कोई भी आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली। अधिकारियों के द्वारा कारागार के अंदर सुरक्षा व्यवस्था, बंदियों को दिए जाने वाले भोजन, नाश्ता और उनके स्वास्थ्य आदि के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। इस अवसर पर संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

दोषी अधिकारी और लाठी चार्ज करने वाले पुलिस कर्मियों के खिलाफ हो दर्ज मुकदमा

दुनिया में मशहूर निजामाबाद की ब्लॉक पॉटरी बनाने वाले कुम्हार समाज का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

निजामाबाद, आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। बिजली की मांग को लेकर प्रदर्शन करने वाले वजीरमलपुर, निजामाबाद के ग्रामीणों को पुलिस द्वारा दौड़ा-दौड़ाकर पीटने की घटना की सूचना पर सोशलिस्ट किसान सभा और सामाजिक न्याय मंच के प्रतिनिधि मंडल ने गाँव पहुंचकर पीड़ितों से मुलाकात की। प्रतिनिधि मंडल में सोशलिस्ट किसान सभा महासचिव राजीव यादव, सामाजिक न्याय मंच के सत्यम प्रजापति, श्यामसुन्दर मौर्या, अवधेश यादव, सुंदरम प्रजापति शामिल रहे।

प्रतिनिधि मंडल वजीरमलपुर गाँव पहुंचा तो गाँव में दहशत का यह माहौल था कि लोग कुछ भी बताने से हिचक रहे थे। तेज बारिश और जर्जर सड़क होने के चलते वजीरमलपुर की कुम्हार बस्ती का नर्क से भी बुरा हाल था। गाँव की महिलाओं ने बताया कि चार-पांच दिन से खम्भा टूटने से बिजली नहीं आ रही थी जिससे चौका-चूल्हा

वजीरमलपुर के ग्रामीणों पर पुलिसिया दमन के बाद सोशलिस्ट किसान सभा और सामाजिक न्याय मंच का प्रतिनिधि मंडल पहुंचा गांव

सब ठप पड़ गया था। इस गर्मी में बच्चे, बूढ़े और महिलाओं का बुरा हाल हो गया था। 29 अगस्त 2025 को जब बिजली की मांग को लेकर लोग प्रदर्शन कर रहे थे तो रात में पुलिस ने लाठी चार्ज कर दिया और गाँव में घुसकर दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। ग्रामीणों ने बताया कि कुम्हार बस्ती के लोग 'वन डिस्ट्रिक वन प्रोडक्ट' के तहत

मिट्टी का बर्तन बनाते हैं। बिजली आपूर्ति न होने के चलते उनका पूरा व्यवसाय ठप हो गया था। उनकी रोजी-रोटी पर संकट आ रहा था। मिट्टी के बर्तन के व्यवसाय के चलते बिजली विभाग वाले उनसे पैसे की भी मांग कर रहे थे। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जब हमने पैसा न देने की वजह से बिजली विभाग द्वारा खम्भा न लगाने का आरोप लगाया तो पुलिस से लाठी चार्ज करवा करके हमारी आवाज को दबाया गया।

किसान नेताओं ने कहा कि दुनिया भर में आजमगढ़ की पहचान निजामाबाद की ब्लैक पॉटरी को बनाने वाले कुम्हार समाज के लोगों पर जो पुलिसिया ज्यादती हुई है उसके दोषी विद्युत विभाग के अधिकारियो व पुलिस कर्मियों के खिलाफ तत्काल मुकदमा पंजीकृत किया जाए। तकरीबन 100 घरों की वजीरमलपुर कुम्हार बस्ती जो अपने हुनर से निजामाबाद का नाम रोशन कर रही है, होना तो यह चाहिए कि उसको विशेष सुविधाएं दी जाएं पर इसके बरअक्श शांतिपूर्वक लोकतान्त्रिक तरीके से बिजली की मांग कर रही जनता पर लाठी बरसाई जा रही है।

किसान नेताओं ने मांग किया कि वजीरमलपुर के ग्रामीणों पर जो फर्जी मुकदमे दायर किये गए हैं उसे तत्काल वापस लेते हुए दोषियों के खिलाफ कार्यवाई किया जाए।

सत्य को सामाजिक जीवन में आत्मसात करना आवश्यक

पर्यावरण संरक्षण के लिए सात दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का समापन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। अभिनव प्राथमिक विद्यालय ककोरगहना में विगत एक सप्ताह से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। सात दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम में वक्ताओं द्वारा कार्यक्रम में बताया गया कि हमें प्रकृति का सम्मान करते हुए। विकास के पथ पर अग्रसर होना चाहिए, ताकि पर्यावरण का संतुलन बना रहे। वास्तव में, प्रकृति और पर्यावरण हमारे आचरण और जीवन शैली के अभिन्न अंग हैं। इस सत्य को सामाजिक जीवन में आत्मसात करना आवश्यक है, जिसके लिए दृष्टिकोण में सकारात्मक परिवर्तन लाना होगा।

प्रधानाध्यापक डॉ.रागिनी ने बताया कि प्रकृति संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय पहल के रूप में 23 अगस्त से 30 अगस्त तक प्रकृति वंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य जन-जन को जागरूक बनाना है। उन्होंने कहा कि प्रकृति वंदन के रूप में सर्वप्रथम अमृता देवी का स्मरण हमें मार्ग दिखाता है। उन्होंने 1730 में मात्र 42 वर्ष की आयु में हरे पेड़ों को बचाने के लिए अपने प्राण न्योछावर किए। उनकी तीन पुत्रियां, जिनकी आयु 8, 10 और 12 वर्ष थी, भी इस बलिदान में सम्मिलित हुईं। उनके अनुसरण में कुल 363 लोग (जिनमें 71 महिलाएँ थीं) बलिदान हुए। विश्व पर्यावरण के इतिहास में इतना बड़ा बलिदान आज तक नहीं हुआ है। यह समस्त मानव जाति तथा नारी शक्ति के लिए गौरव का विषय है कि हमारे पूर्वजों ने हमारी भलाई के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों, घरों और ग्रामों में नारी शक्ति ने बच्चों के साथ मिलकर वृक्षों, धरती और जल के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही यह संकल्प लिया गया कि हर घर को हरित घर बनाया जाएगा। सभी ने पर्यावरण अनुकूल आचरण अपनाने तथा जल, जीव, जंगल, जन और जमीन के प्रति अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का प्रण किया, ताकि यह सुंदर सृष्टि प्रदूषण-मुक्त बन सके। आज जब जलवायु परिवर्तन के कारण भीषण आपदाएं सामने आ रही हैं, ऐसे समय में शिक्षा के साथ-साथ पर्यावरण विषयक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन न केवल आवश्यक बल्कि अत्यंत सराहनीय है। कार्यक्रम में पर्यावरण प्रेमी लोगों की सहभागिता रही जिसमें प्रमुख रूप से नारी शक्ति की बड़ी भूमिका रही। जिसमें मुख्य रूप से रंजना, रिंकी, बबिता, धानमनी, कविता, प्रज्ञा, रेणुका, सारिका, पार्वती, माधवी आदि ने सहभागिता की।

राष्ट्रीय राजमार्ग से संबंधित बैठक संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में राष्ट्रीय राजमार्ग से संबंधित बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में तहसील केराकत अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग 233 (घाघरा वाराणसी ब्रिज) के संबंध में गांवों के अवार्ड, भुगतान प्रक्रिया आज की समीक्षा की गई जिसमें उप जिलाधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि पांच गांव का अवार्ड हो चुका है तथा तीन गांव का अवार्ड अगले 3 दिन में हो जाएगा।

जिलाधिकारी ने तेजी से भुगतान करने के निर्देश दिए और कहा कि सभी अवरोधों का निराकरण करते हुए निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ कर दिया जाए, तथा टाइमलाइन के अनुसार कार्य किया जाए, इससे यातायात की समस्या भी दूर होगी। इस अवसर पर एनएच एलए एडवाइजर एम.के. मिश्रा, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट, एनएच के प्रतिनिधि सहित अन्य उपस्थित रहे।

पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच में जमकर हुई झड़प, मौके पर पहुँची पुलिस ने एक को लिया हिरासत में

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना क्षेत्र के कादीपुर गांव में रविवार सुबह साढ़े नौ बजे दो पक्षों में झड़प हुई। मामला दो परिवारों के बीच पुरानी रंजिश का है। सतीश गौतम के परिवार और रहीस उर्फ राजेश कुमार के परिवार के युवकों में विवाद था। रहीस उर्फ राजेश अपने एक साथी के साथ बाइक पर गांव पहुंचा। वहां सतीश गौतम कुछ युवकों के साथ मौजूद था। दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। इस दौरान हवाई फायरिंग भी की गई।

ग्रामीणों ने रहीस उर्फ राजेश को पकड़ लिया। उसका साथी मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष जफराबाद रमेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने रहीस को हिरासत में ले लिया। उसके पास

खुटहन पुलिस व स्वाट टीम ने संयुक्त रुप से चोरी की घटना का किया अनावरण, 6 आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना खुटहन पुलिस व स्वाट टीम द्वारा संयुक्त रुप से चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुये 06 :आरोपियों को किया गया गिरफ्तार। कब्जे से चोरी गये दस मोबाईल, चोरी की मोबाइल के विक्रय से प्राप्त 3180 रुपया, घटना में प्रयुक्त एक लोहे की हथौड़ी, लोहे की रेती, एक छैनी व घटना में

प्रयुक्त दो मोटरसाईकिल बरामद। पूर्व की घटना का संक्षिप्त विवरण दिनांक-22.08.2025 को शिवम उपाध्याय पुत्र देवदत्त उपाध्याय निवासी ग्राम तुरकौली थाना खुटहन जनपद जौनपुर के द्वारा अपनी खुद की मोबाइल की दुकान S.S.Communication गोबरहा से रात में अज्ञात चोरों द्वारा दुकान का ताला तोड़कर दुकान मे रखा 19 पीस मोबाइल व दुकान के काउन्टर मे रखा नगदी पैसा चुरा लेने के सम्बन्ध में प्रार्थना प्राप्त हुआ। प्रार्थना पत्र प्राप्ति के आधार पर मु0अ0सं0 244/2025 धारा 303(2) बीएनएस बनाम अंज्ञात चोर पंजीकृत किया गया। गिरफ्तारी का विवरण पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा अपराध व अपराधियों पर अंकुश एवं प्रभावी नियन्त्रण बनाये रखने हेतु दिये गये। निर्देशन में थानाध्यक्ष चंदन कुमार राय मय हमराह क्षेत्र भ्रमण के दौरान खुटहन चौराहे पर पहुंचें, जहां पर पूर्व से मौजूद उ0नि0 लल्लन प्रसाद मय हमराह मिले। पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र में हो रही चोरी की घटनाओं के बारे में चर्चा की जा रही थी, कि स्वाट टीम प्रभारी उ0नि0 अरविन्द कुमार सिंह के उपस्थित आ गये। पुलिस टीम द्वारा आपस में चोरी की घटनाओं के अनावरण के सम्बन्ध में बातचीत कर रहे थे, कि मुखबिर द्वारा आकर सूचना दिया कि सुइथाखुर्द पंचायत भवन के पास कुछ चोर, चोरी की मोबाईल के बँटवारे के सम्बन्ध में बातचीत कर रहे है। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा मुखबिर को साथ लेकर जैसे ही पंचायत भवन से 100 मीटर पहले पहुँचे। मुखबिर द्वारा पंचायत भवन के पास खड़े व्यक्तियों के तरफ इशारा करके वापस चला गया। पुलिस टीम द्वारा आगे बढ़ने पर पुलिस वालों को देखकर खड़े व्यक्ति भागना चाहे कि शंका होने पर एकबारगी घेर कर पकड़ लिया गया। तथा एक बदमाश मौके से भागा जिसका पीछा का0 विपिन जायसवाल ने किया किन्तु अधेरे का फायदा उठाते हुए भाग गया, पकड़े गये व्यक्तियों से क्रमशः नाम पता पूछते हुए भागने का कारण पूछा गया तो सचिन सिंह, जिसके पास से 02 मोबाइल फोन, S25 ULTRA IMEI-352901547184690, 353078627184699, NOTING 2A 8/256 चोरी का तथा 160 रुपये नगद व चोरी की घटना में प्रयुक्त एक मो0सा0 होण्डा सीडी 100 DX बिना नंबर सम्बन्धित मु0अ0स0-244/25 तथा एक मोबाइल फोन खुद का डठए ढछवर बरामद हुआ। बरामदशुदा गाड़ी में लगे डिग्गी की तलाशी के दौरान डिग्गी से एक रेती, एक हथौड़ी लोहे की प्राप्त हुआ।आकाश कुमार यादव, जिसके पास से एक मोबाइल फोन चोरी का ONE PLUS IMEI- 868434072271994, 868434072271986 व 170 रुपया सम्बन्धित मु0अ0स0-244/25 से सम्बन्धित तथा एक मोबाइल फोन खुद का OPPO A 73 बरामद हुआ । आयुष गौतम, जिसके पास से एक मोबाइल फोन चोरी S25 IMEI 358284570125078 का व 150 रुपया मु0अ0स0244/25 से सम्बन्धित तथा एक मोबाइल फोन VIV0 कंपनी खुद का बरामद हुआ। संदीप उर्फ सिम्पू, जिसके पास से दो मोबाइल फोन चोरी का ओपो कम्पनी A5X IMEI -863236073110831 , 863236073110823, 2. OPPO A5 IMEI 868535075599015,868535075599007 सम्बन्धित मु0अ0स0-244/25 से सम्बन्धित व 2500 रुपया तथा एक मोबाइल फोन रेडमी व एक मोटरसाइकिल प्लसर नं UP 50 9376 बरामद हुआ। रुपनारायण सरोज उर्फ निक्कू, जिसके पास से दो मोबाइल फोन चोरी का ओप्पो कम्पनी A5 IMEI - 868535076576772, 868535076576764, OPPOA5 IMEI– 868535076580279, 868535076580261 सम्बन्धित मु0अ0स0-244/25 व एक मोबाइल ओपो एफ प्रो प्लस व 50 रुपया बरामद हुआ, विकास उर्फ निक्कू, जिसके पास से 02 मोबाइल फोन ओपो कम्पनी A3X IMEI - 868661075884676, 868661075884668, F29 PRO IMEI – 860860076459391, 860860076459383 चोरी का सम्बन्धित मु0अ0स0 244/25 व तथा 01 मोबाइल समसैग A20 व 150 रुपये बरामद हुआ। आरोपीगण का यह कृत्य अंतर्गत धारा 331(4)/305/317(2) बीएनएस का दण्डनीय अपराध बताकर बाजाफ्ता बाकायदा समय 21.10 बजे पुलिस हिरासत में लिया गया।

सड़क दुर्घटना मामले में 2.12 करोड़ मुआवजे का आदेश

अब तक की सबसे बड़ी क्षतिपूर्ति

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल जौनपुर ने सड़क दुर्घटना मामले में अब तक की सबसे बड़ी क्षतिपूर्ति का आदेश सुनाया है। ट्रिब्यूनल के जज मनोज कुमार अग्रवाल ने परिवहन निगम को निर्देश दिया कि वह मृतक के परिजनों को दो माह के भीतर ब्याज सहित 2.12 करोड़ रुपये का भुगतान करे। मामला 26 जून 2021 का है, जब जलालपुर के बीबनमऊ गांव के पास गाजियाबाद निवासी अजय कुमार भारती (54), जो दिल्ली स्थित आयन एक्सचेंज इंडिया लिमिटेड में वाइस प्रेसिडेंट पद पर कार्यरत थे, रोडवेज बस की टक्कर से घायल हुए और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक की पत्नी गीता भारती व पुत्रों ने अधिवक्ता हिमांशु श्रीवास्तव व सूर्यमणि पांडेय के माध्यम से दावा याचिका दाखिल की थी। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि हादसा बस चालक की लापरवाही से हुआ। इसके बाद ट्रिब्यूनल ने परिवहन निगम को क्षतिपूर्ति राशि अदा करने का आदेश दिया।

सेल्फी के शौक में युवक गोमती में बहा, तीन घंटे बाद गोताखोरों ने ढूंढा शव

गार्गी यादव, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के हनुमान घाट पर एक युवक के द्वारा सेल्फी लेने पर युवक का पैर फिसलने पर गोमती नदी में डूबने से युवक की गई जान। गोताखोरों की मदद से 3 घंटे बाद युवक की मिला शव युवक का शव पुलिस कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। युवक की पहचान सुरेश गौतम उर्फ गुल्लू लाइन बाजार थाना क्षेत्र के हुसैनाबाद का निवासी था।

कोतवाली पुलिस ने दो को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली के नेतृत्व में थाना कोतवाली पुलिस टीम द्वारा सूचना पर शाहीपुल पर पहुँचे तो पाया कि शाहीपुल पर कुछ लोग आपस मे पैसे के लेन देन को लेकर लड झगड़ रहे है। पुलिस टीम द्वारा उभय पक्षों को काफी समझाने बुझाने का प्रयास किया गया किन्तु जन्मेजय सिंह उर्फ बिल्लू उर्फ विशाल सिंह पुत्र कृपाशंकर सिंह निवासी मनहन थाना जलालपुर जौनपुर, शुभम सिंह उर्फ गोलू पुत्र रमाशंकर सिंह निवासी इजरी थाना जलालपुर जौनपुर और अधिक उत्तेजित होकर आदित्य ठाकुर पुत्र तेजनरायण ठाकुर निवासी मलिकपुरा थाना भावरकोल जिला गाजीपुर के उपर हमलावर होने लगे कि मौके पर संज्ञेय अपराध रोकने हेतु जन्मेजय आदि दो नफर उपरोक्त को हिरासत पुलिस में लेकर आवश्यक कार्यवाही करते हुए चालान न्यायालय भेज दिया गया। पुलिस टीम में उ0नि0 सुनील यादव चौकी प्रभारी सरायपोख्ता, थाना कोतवाली जनपद जौनपुर ,का.सौरभ यादव चौकी सरायपोख्ता थाना कोतवाली जनपद जौनपुर, कोबरा एक के कर्म.गण (का. अतुल द्विवेदी, का.नीरज कुमार) थाना कोतवाली जनपद जौनपुर।

बदलापुर पुलिस ने हत्या की घटना का अनावरण करते हुये आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में अपराध व अपराधियों पर अंकुश एवं प्रभावी नियन्त्रण बनाये रखने के क्रम में थाना बदलापुर पुलिस टीम द्वारा हत्या की घटना का अनावरण करते हुये आरोपी को किया गया गिरफ्तार। कब्जे से आलाकत्ल बरामद। घटना का संक्षिप्त विवरण दिनांक-30.08.2025 को अच्छेलाल गोड़ पुत्र स्व0 जयराम गोड़ निवासी ग्राम भीलमपुर थाना- सुजानगंज जनपद जौनपुर द्वारा प्रार्थना पत्र दिया गया कि आवेदक की पत्नी सन्जू देवी को गाली गुप्ता देते हुए व हत्या कर शव को छिपाने के उद्देश्य से पानी से भरे गढ्ढे में फेंक दिया गया। प्राप्त तहरीर के आधार पर मु0अ0सं0 353/25 धारा

103(1)/352/238 बीएनएस पंजीकृत किया गया।

गिरफ्तारी का विवरण– प्र0नि0 बदलापुर मय हमराह मुकदमा उपरोक्त के अनावरण व अन्य शासकीय कार्यों के लिए क्षेत्र मामूर पर थे। तभी मुखबिर से सूचना मिली कि मुकदमा उपरोक्त से संबधित आरोपी ऊदपुर गेल्हवा नहर से सरोखनपुर अण्डरपास के पास सर्विस रोड़ पर मौजूद है और किसी का इन्तजार कर रहा है। मुखबिर खास की सूचना पर आरोपी वेद प्रकाश सिंह उर्फ टिंकू सिंह पुत्र शिवप्रताप सिंह उर्फ नाटे सिंह निवासी कूँहीकला चन्दापुर थाना बदलापुर जौनपुर को 31.08.2025 को समय करीब 01.00 बजे मे सरोखनपुर अण्डरपास के पास से गिरफ्तार किया गया।

जौनपुर डिपो को दीपावली से पहले मिली एक बड़ी सौगात, 5 नई बसें पहुंची, कुल संख्या 102 हुई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर डिपो को दीपावली और धनतेरस से पहले परिवहन निगम ने पांच नई बसें दी हैं। पांचों बस डिपो में पहुंच गई हैं। इन नई बसों के आने से डिपो में कुल बसों की संख्या 102 हो गई है। वर्तमान में डिपो में 97 बसें संचालित हैं।

ये बसें लखनऊ, वाराणसी, कानपुर, अयोध्या, आजमगढ़, मऊ, शाहगंज और मिजार्पुर समेत कई मार्गों पर चलती हैं। सभी नई बसें 43 सीटर हैं। एआरएम ममता दुबे के अनुसार जिन रूटों पर बसों की कमी है, वहां इन्हें चलाया जाएगा। ण सड़कों पर इन बसों का विशेष इस्तेमाल होगा। इससे यात्रियों को बस स्टैंड पर लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। परिवहन

निगम की योजना के अनुसार अगले चरण में और बसें मिलने की संभावना है।

मानी डेन्टल हास्पिटल
मिलने का समय- सुबह 10 बजे से रात 9 बजे तक प्रत्येक दिन
सुविधायें-
- बिना दर्द के दाँत निकालना
- दाँत के रंग का मसाला भरना
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों को सुन्दर बनाना
- जबड़े की हड्डी में नकली दाँत लगाना
- बत्तीसी लगाना (complete Denture)
- काउन (कंप) एवं ब्रिज लगवाने की सुविधा
- दाँतों का एक्स-रे (Digital X-Ray)
- बच्चों के मुख एवं दाँतों से सम्बन्धित समी
- रोगों का इलाज
- दाँतों की ब्लीचिंग
- दाँतों की सफाई व रख-रखाव
- पायरिया का इलाज
- आधुनिक मशीनों द्वारा बिना दर्द के दाँतों की नसों का इलाज (RCT)
- कीड़े लगे दाँतों में दाँत के रंग की लेजर फिलिंग
- गुटखे द्वारा बन्द मुँह का सफल एवं सम्पूर्ण इलाज
डा0 सुफियान अहमद
डेन्टल सर्जन बी. डी. एस., एम. आई. डी. ए.
9616356786
पता- नियाज़ शापिंग सेन्टर गुरैनी रोड, मानीकलाँ - जौनपुर

CMO Reg. RMEE. 2341801
SHIFA HOSPITAL
अहमदी मेमोरियल शिफा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
डा0 मोहम्मद अकमल
(फिजिशियन)
पता- मानीकलां, जौनपुर
डॉ0 अबू फैसल
MBBS, Ortho PGDS
हड्डी एवं जोड रोग विशेषज्ञ
समय 2 बजे से शाम 4 बजे तक
(वृहस्पतिवार)
डॉ0 मोहम्मद चाँद बागवान
MBBS, DNB, MD (Lucknow)
शूगर, चेस्ट एंव हृदय रोग विशेष
समय- सुबह 8 बजे 11 बजे तक
(मंगलवार)
डॉ0 यसीरा अली
MBBS, MS (obs & Gynae Surgeon)
स्त्री रोग एवं बांझपन विशेषज्ञ (Inferitility)
समय- सुबह 8 बजे से 11 बजे तक
(मंगलवार)
डॉ0 सुनील कुमार दुबे
MBBS, MS
(Laproscopic Surgeon) on call)
डॉ0 एम के वर्मा
P.G D.C (Delhi)
(चर्म रोग विशेषज्ञ)
समय- 11 बजे 2 बजे तक (शनिवार)
डॉ0 मोहम्मद अब्दुल्लाह
(दाँत चिकित्सक)
समय - सुबह 9 से 11 बजे तक
(बुद्धवार, रविवार)
डॉ0 सना अब्दुल्लाह
(स्त्री रोग विशेषज्ञा)
समय - सुबह 9 बजे से 11 बजे तक
(बुद्धवार, रविवार)
डिजिटल एक्सरे, कम्प्यूटराइज़्ड पैथोलॉजी, E.C.G., हृदय रोग विशेषज्ञ, चेस्ट रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, दात चिकित्सक फिजियोथेरापी, डिलेवरी (नार्मल, सिजेरियन) दूरबीन विधि से पित्ताशय में पथरी, अपेंडिस्क, बच्चेदानी, हाइड्रोसील का ऑपरेशन भर्ती की सुविधा।
पता - मानीकलां, जौनपुर | 9451610571, 7380850571

भाजपा नेता अजीत सिंह के कार्यालय में गणेश भक्तों की भीड़

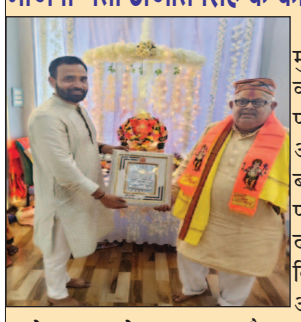

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। मुम्बई सहित पूरे देश मे गणेश उत्सव की धूम मची है, धार्मिक आस्था के इस पावन महोत्सव के दौरान भाजपा नेता अजीत सिंह के कार्यालय पर गणपति बप्पा का आगमन हुआ आस्था के इस पावन पर्व पर भारी संख्या में पहुंव कर दर्शन लाभ लिया।गौरतलब है कि, विगत पाँच वर्षों से अजीत सिंह के ऑफिस पर गणेशोत्सव का पावन पर्व बड़े धूमधाम से मनाया जाता है।आस्थावान और सामाजिक समस्याओं से सरोकार रखने वाले अजीत सिंह भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष युवा के साथ-साथ मशहूर भवन निमार्ता एवं वरिष्ठ समाज सेवक भी हैं। अजीत सिंह के आमंत्रण पर वरिष्ठ पत्रकार लालशेखर सिंह,योगेन्द्र सिंह कौशिक, भानुप्रताप सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता, अनिल कुमार सिंह, वरिष्ठ समाज सेवक जयनाथ सिंह,जैसे तमाम सामाजिक हस्ताक्षर भी भक्तिभाव से गणेश भक्तों के उमड़े जन सैलाब के बीच पहुंच कर पुण्यलाभ अर्जित किया।

समाजसेवक इंद्रेश सिंह के निवास पर गणेश भक्तों की भीड़

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। गणेश उत्सव के पावन पर्व पर आस्था के सागर में सर्वत्र भक्तों का समूह डुबकी लगाता नजर आ रहा है।इसी क्रम में नालासोपारा पूर्व स्थित इंद्रेश सिंह के निवास पर भी गणेश जी का आगमन हुआ जहाँ पर भारी संख्या में आम से खास हर व्यक्ति पहुँचकर दर्शन लाभ ले रहा है, ऐसे भक्तिमय उत्सव में वरिष्ठ पत्रकार लालशेखर सिंह,एवं इष्ट मंडली के साथअवधेश सिंह तांत्रिक और अधिवक्ता अरुण कुमार सिंह भी पहुँच कर दर्शन लाभ प्राप्त किये।,इस अवसर पर इंद्रेश सिंह ने रामनामी देकर भावपूर्वक सभी का सत्कार किया गौरतलब है कि, विगत पाँच वर्षी से ठाकुर इंद्रेश सिंह के निवास पर गणेशोत्सव बड़ी धूम धाम से मनाया जाता है। ठाकुर इंद्रेश सिंह सुप्रसिद्ध भवन निमार्ता एवं वरिष्ठ समाज सेवी भी हैं।

भाजपा नेता धीरेंद्र मिश्रा एवं राजेश मिश्रा के घर पर विराजे गणपति बप्पा

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं बिहार प्रकोष्ठ महासचिव धीरेंद्र मिश्रा, तथा उपाध्यक्ष राजेश मिश्रा, के निवास पर इस वर्ष भी परमपूज्य श्री गणपति बप्पा का मंगलमय आगमन बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा भाव से हुआ।

गणेशोत्सव के इस पावन पर्व पर दोनों नेताओं के घर भक्तिमय वातावरण बना रहा। अनेक मित्रों,परिजनों, गणमान्य नागरिकों, समाजसेवियों एवं राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने बप्पा के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। गणपति बप्पा की प्रतिमा का स्वागत पारंपरिक ढंग से विधि-विधान के अंतर्गत किया गया, बप्पा के दरबार में आरती-भजन के बीच पूरा माहौल भक्तिरस से सराबोर हो उठा। इस अवसर पर धीरेंद्र मिश्रा, एवं राजेश मिश्रा, ने सभी आगंतुकों का आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि गणेशोत्सव केवल धार्मिक पर्व ही नहीं बल्कि समाज में एकता, सद्भावना और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। बप्पा से हमारी यही प्रार्थना है कि सभी के जीवन में सुख-शांति और समृद्धि का संचार हो। गणेशोत्सव की इस पावन बेला पर पूरे क्षेत्र में उल्लास और उमंग का वातावरण व्याप्त है, और लोग बड़ी संख्या में बप्पा के दर्शन हेतु पहुँच रहे हैं।

जमीनों के कागजात सुधार के लिए गांव-गांव हो रहा शिविर का आयोजन

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज भूस्वामियों के जमीनों के कागजात की गड़बड़ी में सुधार के लिए महाराजगंज अंचलाधिकारी जितेंद्र पासवान सीवान के डीएम के आदेश और महाराजगंज एसडीओ के निर्देश पर राजस्व विभाग द्वारा एक विशेष अभियान को धरातल पर उतारने के लिए प्रयासरत हैं। इस दौरान राजस्व विभाग की टीमें गांव-गांव जाकर जमीन मालिकों की जमाबंदी पंजी की प्रति वितरित कर रही है। और जमीन संबंधी समस्याओं के समाधान में लगी है। अभियान का मुख्य उद्देश्य जमीन के रिकॉर्ड में सुधार जमाबंदी में त्रुटियों को सुधारना और जमीन के रिकॉर्ड को अपडेट करना। जमीन के मालिकाना हक को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक स्थानांतरित करना। संयुक्त संपत्ति के बंटवारे के बाद जमीन के रिकॉर्ड को अपडेट करना। छूटी हुई जमाबंदी को ऑनलाइन करना ।उन जमाबंदियों को ऑनलाइन करना जो अभी तक ऑनलाइन नहीं हैं। इस अभियान का लाभ उन लोगों को मिलेगा जिनके जमीन के कागजात में त्रुटियां हैं, जैसे कि नाम की गलती, रकबा में अंतर, खाता संख्या की समस्या आदि। साथ ही, जिन लोगों की जमीन उनके पूर्वजों के नाम पर दर्ज है, वे भी इस अभियान का लाभ उठा सकते हैं। लोगों को अपने निकटतम अंचल कार्यालय या पंचायत कार्यालय में संपर्क कर आवश्यक प्रपत्र प्राप्त कर अपनी जमीन संबंधी समस्याओं का समाधान करा सकते हैं। तिथि वार पंचायत में शिविर लगाने का कार्य चालू है।

जुलूस-ए- मोहम्मदी की तैयारी को लेकर बैठक

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में अमन, भाईचारा एवं समानता के संदेश वाहक इस्लाम धर्म के अंतिम उपदेशक पैगम्बर हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन उत्साह पूर्वक मनाने के लिए,एक बैठक की गई। अध्यक्षता मोहम्मद रफीक ने की। मोहम्मद रफीक ने कहा शहरी व ग्रामीण इलाकों मे 5 सितंबर को जश्न -ए-ईद मिलादुन्नबी मनाया जाएगा। विभिन्न मामलों को लेकर विचार विमर्श किया गया। जिसमे सर्व सहमति से पूर्व की भांति भव्य तरीके से जश्न -ए-ईद मिलादुन्नबी मनाने का निर्णय लिया गया।शांतिपूर्ण बातावरण मे त्यौहार मनाने की अपील की गई। निकालने वाले जुलूस में डीजे का उपयोग पूरी तरह से प्रतिबंधित करने का निर्णय लिया गया। बैठक को शिक्षक समसुद्दिन अहमद ने युवाओं से अपील की कि जुलूस के दौरान कुछ ऐसा न करें जिससे की दुसरे लोगों को परेशानी हो।बैठक मे मैनुद्दीन अहमद,पूर्व प्रमुख इम्तियाज अहमद, शमशाद खान,रौशन अली,अब्दुल्लाह कुरेशी, खालीद हुसैन,मो. आजाद, नईम मिया,गौहर अली, रिज्वानुल्लाह उर्फ टुन्ना,मो. मुस्लिम,अफजल खान, कमालुद्दीन कुरेशी,जुल्फेकार अली, नजरूबारी,मो.नईम मास्टर आदि उपस्थित थे।

नंदू रामलाल गुप्ता के आवास पर गणपति के 5वें दिन गणपति का जागरण पंडित संजय मिश्रा के सानिध्य के में डोंबिवली पश्चिम गंगा निवास कमरा नंबर 35 तीसरी मंजिल पर संपन्न हुआ। छाया : उत्तरशक्ति

ड्रीम स्पेस थाई स्पा सेंटर में मसाज के नाम पर चल रहा था, जिस्मफरोशी का कारोबार

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड काशी गांव पुलिस थाना अंतर्गत ड्रीम स्पेस थाई स्पा सेंटर की एक महिला मैनेजर गिरफ्तार और दो पीडीत लड़कीयों की सुरक्षित निकाला गया। पुलिस की टीम ने नेचुरल थाई स्पा सेंटर के चालक एवं मालिक दोनों फरार बताया जा रहा है। आज एमबी वीवी पुलिस आयुक्तालय, जोन 1 के डीसीपी राहुल चव्हाण (आईं पी एस) को रेस्क्यू फाउंडेशन एनजीओ से सूचना मिली थी की, मीरा रोड ईस्ट , काशी गांव पुलिस थाने की हद में विनय नगर, नॉर्थ इंपीरिया टॉवर, शॉप नंबर इ/106 ड्रीम स्पेस थाई स्पा सेंटर में स्पा सेंटर के चालक और मैनेजर मसाज के नाम पर लडकियो से जिस्मफरोशी का कारोबार करवा रहे हैं। फिर जोन 1 के डीसीपी ऑफिस की टीम और काशीमीरा पुलिस थाने

की संयुक्त टीम ने ड्रीम स्पेस थाई स्पा सेंटर में बोगस ग्राहक पंच को भेजकर ट्रैप लगाकर छापा मारा, पुलिस की टीम ने छापे में ड्रीम स्पेस थाई स्पा सेंटर के एक मैनेजर को हिरासत में लेकर ,ड्रीम स्पेस थाई स्पा सेंटर में मसाज के नाम पर चल रहे जिस्मफरोशी के कारोबार से दो पीडीत लडकीयों को रेस्क्यू किया। ड्रीम स्पेस थाई स्पा सेंटर में पिछले 2/3 महीनों से स्पा सेंटर के चालक और मैनेजर पुरुष ग्राहकों को मसाज के नाम पर लडकियों से जिस्मफरोशी का कारोबार करवा रहे थे। इस कारोबार में ड्रीम थाई स्पा सेंटर के चालक ,मालीक व मैनेजर के अलावा और कितने साथीदार है और इन लोगों ने कितनी और पीडीत लडकीयो को मसाज के नाम पर जिस्मफरोशी के कारोबार में धकेला है उसकी भी जांच पड़ताल पुलिस की टीम कर रही है। ड्रीम 2 थाई स्पा सेंटर के फरार दो चालक मालिक को काशि गांव पुलिस थाने की टीम सरगर्मी से ढूंढ रही है।

अब पुलिस की टीम ड्रीम थाई स्पा सेंटर के गिरफ्तार एक मैनेजर और दो चालक/मालिक (टोटल तीन आरोपी) में एक मैनेजर गिरफ्तार है, और दो चालक/मालिक फरार के उपर बीएनएस 143(3), 3(5) व पीटा एक्ट 3,4,5 की धाराओं के तहत कानूनी कारवाई की जा रही है और दो पीडीत लडकीयो को सुरक्षित रेस्क्यू फाउंडेशन कांदिवली में भेजने की कानूनी प्रकिया चल रही है। ड्रीम स्पेस थाई स्पा सेंटर में चल रहे मसाज के नाम पर देहव्यापार का भंडाफोड़ करके कानूनी कारवाई एमबीवीवी पुलिस आयुक्तालय के वरीष्ठ अधिकारियो और जोन 1 के डीसीपी राहुल चव्हाण, के मार्गदर्शन में काशीमीरा पुलिस थाने की पीआई रणजीत आंधले,पीएसआई अजय मांडोले,और काशीमीरा पुलिस थाने की टीम ने सयुंक्त रूप से करवाई कर,आगे की तपास काशीगांव पुलिस थाने की टीम कर रही है।

राष्ट्रीय समता पार्टी बीपी की वाराणसी जिला इकाई की बैठक सम्पन्न

वाराणसी(उत्तरशक्ति) राष्ट्रीय समता पार्टी बीपी की वाराणसी जिला इकाई की बैठक आज पार्टी के केंद्रीय कार्यालय दासेपुर, हरहुआ, वाराणसी में बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ सम्पन्न हुई। बैठक का शुभारंभ पदाधिकारियों के स्वागत-सम्मान से हुआ, जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय कैप्टन राज कुमार सहित सभी पदाधिकारियों का फूलमाला पहनाकर अभिनंदन किया गया। इसके उपरांत पदाधिकारियों ने माल्यार्पण कर राष्ट्रीय अध्यक्ष का जोशीला स्वागत किया। कार्यक्रम का आयोजन जिला अध्यक्ष राज कुमार और प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह पटेल के नेतृत्व में हुआ। संचालन राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव पुनवासी राम प्रजापति ने किया और अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष कैप्टन राज कुमार ने की। बैठक में महिला मंच की जिला अध्यक्ष श्रीमती मंजू ने कहा कि पूरे जिले में महिला मंच का गठन बूथ

स्तर तक किया जाएगा। वहीं, जिला अध्यक्ष श्री राज कुमार ने पार्टी को जिले में नंबर एक पर लाने का संकल्प लिया। प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह पटेल ने शिक्षा और स्वास्थ्य पर जोर देते हुए कहा कि सत्ता में आने पर शिक्षा और स्वास्थ्य पूरी तरह निःशुल्क कर दिए जाएंगे। प्रदेश उपाध्यक्ष मो. आमेर ने कार्यकताओं से एकजुट होकर पार्टी की नीतियों को जनता तक पहुंचाने की अपील की। राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव पुनवासी राम प्रजापति ने युवाओं से पार्टी से अधिकाधिक जुड़ने का आह्वान किया। अपने संबोधन में राष्ट्रीय अध्यक्ष कैप्टन राज कुमार ने मिशन 2027 के चुनावों की तैयारी पर बल दिया। उन्होंने पदाधिकारियों से बूथ स्तर पर कमेटियों का गठन करने और संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पार्टी का मुख्य उद्देश्य उन लोगों को भागीदारी दिलाना है जिन्हें अब तक अवसर नहीं मिला है। साथ ही उन्होंने शिक्षा और चिकित्सा को अमीर-गरीब सभी के लिए मुफ्त करने और वन नेशन वन एजुकेशन पर जोर दिया। अंत में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सभी उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया। बैठक में प्रमुख रूप से विधानसभा अध्यक्ष मंगला यादव, उपाध्यक्ष रामजी चौहान, जिला उपाध्यक्ष (अल्पसंख्यक मंच) अली अहमद, प्रदेश उपाध्यक्ष विजय कुमार, जिला सचिव अरविंद कुमार मौर्य, जिला महासचिव अवधेश प्रजापति, पत्रकार चंदन महाकाल, मो. शहनवाज, जिला सचिव सूरज प्रजापति, जिला उपाध्यक्ष अनूप त्रिपाठी, विधानसभा उपाध्यक्ष गोपी प्रजापति, पत्रकार पवन प्रजापति, महिला मंच की महासचिव श्रीमती मंजू राजभर, श्रीमती लक्ष्मी राजभर, श्रीमती द्रोपदी राजभर, संगीता राजभर, श्रीमती मुन्नी राजभर, श्रीमती प्रमिला देवी, प्रभु नारायण गौड़ सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

माटुंगा पूर्व में स्थापित बप्पा का दर्शन करने पहुंचे भाजपा प्रवक्ता डॉ दयानंद तिवारी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र में गणेशोत्सव का शुभारंभ हो चुका है। मराठी समाज के साथ उत्तर भारतीय समाज व गुजराती समाज के बीच भी गणेशोत्सव त्योहार को लेकर जोश और उत्साह दिखाई दे रहा है। मुंबई में ही लाखों लोग अपने घर में बप्पा की स्थापना की है। ढेर दिन से लेकर सात दिनों तक तथा 11 दिनों तक स्थापित बप्पा के दर्शन करने के लिए लोग पहुंच रहे हैं। मुंबई भाजपा प्रवक्ता डॉ दयानंद तिवारी, व भरत भाई शुक्ला ने पहुंच कर दर्शन करने माटुंगा स्थित इंडियन जिमखाना के पास सरस्वती कालोनी स्थित भट्टभूवन में रिद्धि सिद्धि गणेश मित्र मंडल द्वारा में गणपति बप्पा की दर्शन किए। जिसमें मंडल के अध्यक्ष योगी अशोक त्रिवेदी, कपील भाई दर्जी, विजय भाई परमार, पत्रकार राजकुमार अग्रहरि, जगदीश परमार, विराज अणावकर , शालिनी अयर, फूल चंद मिश्रा, दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, दिपा अणावकर, लिलावाती मिश्रा, सीमा, रश्मि आंनद दुबे, पायल, दक्ष कपिल दर्जी, शैलेंद्र मिश्रा, धिरेद्र मिश्रा के द्वारा गणेश बप्पा का आयोजन किया गया है। प्रेम चंद मिश्रा तरफ से प्रोफेसर डॉ दयानंद तिवारी व समाजसेवी मां विंध्यवासिनी मंदिर के ट्रस्टी भरत भाई शुक्ला का स्वागत किया गया। डॉ तिवारी ने गणपति बप्पा से देशवासियों के लिए अमन चैन की प्रार्थना की।

पीसीआर द्वारा राजकीय बाल गृह, लखनऊ में खेल प्रतियोगिता का आयोजन

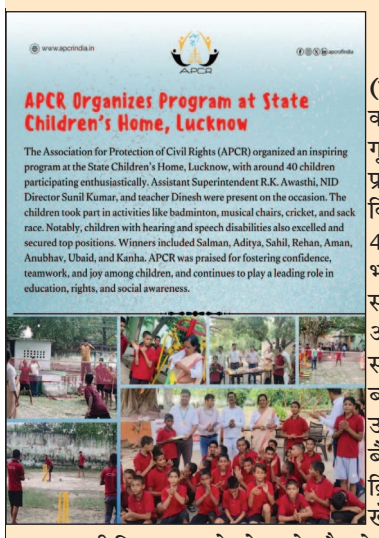

डॉ.आबिद खान

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। एपीसीआर की ओर से राजकीय बाल गृह, लखनऊ में खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 40 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर सहायक अधीक्षक आर. के. अवस्थी अढउफ की जेल संयोजक मीना सोनी तथा बाल गृह के शिक्षक दिनेश उपस्थित रहे। बच्चों ने बैडमिंटन, कुर्सी दौड़, क्रिकेट और बोरा दौड़ जैसे खेलों में भाग लिया। विशेष बात यह रही कि कुछ बच्चे जो सुनने और बोलने में सक्षम नहीं थे। उन्होंने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में विजयी बच्चों के नाम इस प्रकार हैं। सलमान, आदित्य, साहिल, रेहान, अमन, दिलवाले, अनुभव, उबैद, जुलम, कान्हा, शंकर, शिवम। यह कार्यक्रम बच्चों में आत्मविश्वास, उत्साह और आपसी सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करने वाला रहा। एपीसीआर लगातार समाज के कमजोर वर्गों और बच्चों के अधिकारों की रक्षा हेतु कार्यरत है। संस्था शिक्षा, कानूनी सहायता और सामाजिक जागरूकता जैसे क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभा रही है। खेल दिवस जैसे कार्यक्रम एपीसीआर की इस प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं कि बच्चों को न सिर्फ अधिकारों की जानकारी मिले बल्कि उनके सर्वांगीण विकास के अवसर भी प्राप्त हों।

खेल दिवस के तीसरे दिन सन्डे ऑन साइकिल का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्रीड़ा अधिकारी ने अवगत कराया है कि खेल दिवस पर तीसरे दिन भारत सरकार की गाईडलाइन्स के अनुसार सन्डे ऑन साइकिल का आयोजन 31 अगस्त 2025 को इन्दिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम से प्रातः 7.30 बजे से वीर बहादुर पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर तक आयोजित किया गया । जिसमें खिलाड़ी, अधिकारी और प्रशिक्षक के साथ ही मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य श्यामबाबू यादव ने भी प्रतिभाग किया। साइकिल रेस स्टेडियम से पूर्वांचल विश्वविद्यालय के गेट तक पुनः इन्दिरा गांधी स्टेडियम पर आकर समाप्त हुई। साईकिल रेस का उद्देश्य खिलाड़ियों के साथ ही जन सामान्य को फिट रहने के साथ खनिज तेल पर देशवासियों की निर्भरता को कम करने के साथ ही उन्हें शारीरिक एवं मानसिक रूप से मजबूत बनाना है। साईकिल रेस का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्यामबाबू यादव, जिला पंचायत सदस्य द्वारा हरी झण्डी दिखाकर किया गया। इस अवसर पर पुलिस विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के साथ ही ट्रैफिक व्यवस्था में लगे कार्मिकों द्वारा अपने दायित्वों भली-भांति निर्वहन किया गया। साइकिल रेस के समापन के साथ ही खेल दिवस का कार्यक्रम सकुशल सम्पन्न हो गया। क्रीड़ा अधिकारी चन्दन सिंह द्वारा खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों के साथ खेल कर्मचारियों के प्रति अपना आभार प्रकट किया गया।

बारिश कम होने से धान के खेतों में उपजा घास, खेत में घास उखाड़ते मजदूर

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज अगस्त माह में पर्याप्त बारिश नही होने से धान के खेत में घास उग गए। खेत में उपजे बरसाती घास घास से किसानों को परेशानी है। प्रखंड क्षेत्र के अलग-अलग गांव के किसानों ने बताया कि गत अगस्त माह में पर्याप्त वर्षा नहीं होने से धान का खेत अब बरसाती घास उग गया है। जिससे धान के विचरे खराब हो रहे हैं। वहीं घासों को खेत से हटाने में प्रति एकड़ लगभग 40 मजदूर लग जाते है। किसान बीरेंद्र प्रसाद कुशवाहा, अशर्फी महतो, सुरेश प्रसाद, अशोक कुमार, अरुण कुमार, मोहमद हनीफ अंसारी, मदन लाल हरिजन, नईमुद्दीन, कैलाश प्रसाद कुशवाहा ,इकबाल प्रसाद , विमल भगत, रफीक मियां, आलम सहित दर्जनों किसानों बताया कि खेती ही हमलोगों के लिए आमदनी का एक मात्र स्त्रोत है। अपने परिवार का भरण-पोषण सहित अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई का दारोमदार हमारे खेती-बाड़ी पर ही निर्भर है। लेकिन खेती में लागत बढ़ जाने से अब किसानों के लिए खेती घाटे का सौदा साबित हो रही है। इसका मुख्य कारण यह है कि सरकारी स्तर पर किसानों के लिए चसिंचाई व्यवस्था नहीं है। सरकारी योजनाओं का कोई लाभ किसानों को नहीं मिल पा रही है। खेतीबाड़ी करने के लिए पुरी तरह आसमानी बारिश पर निर्भर रहना पड़ता है। लेकिन समय पर वर्षा नहीं होने से फसल खराब हो रहा है। प्रखंड क्षेत्र में सरकारी स्तर पर लगाए गए नलकूप विभाग के द्वारा उचित रखरखाव नही किए जाने से वर्षो से खराब पड़ा है। जिसका खामियाजा क्षेत्र के किसानों को भुगतना पड़ रहा है।

सरायख्वाजा पुलिस ने भादो छठ मेला में झपटमारी करने वाले गिरोह के 06 महिला आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु दिये गये निर्देशन के क्रम में प्र0नि0 सरायख्वाजा के क्रम में थाना पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक-31/08/2025 को भादो छठ मेला सरायख्वाजा पर स्थित तालाब के किनारे शिवमंदिर पर शांति व्यस्था ड्यूटी के दौरान मंदिर के प्रांगण मे स्थित पीपल के पेड के पास महिला दर्शनार्थियो का शोर सुनाई दिया। शोर सुनकर पुलिस बल द्वारा जाकर देखा गया तो महिला दर्शनार्थियो द्वारा कुछ महिलाओ को पकड़ा गया था और पकड़ी गई महिलाओ पर चैन और लाकेट छीनने का आरोप लगा रही है। विभिन्न घटना का विवरण,शिकायतकर्ता सरस्वती देवी पत्नी स्व0 अतारु विश्वकर्मा निवासी एतमादपुर पसियाना थाना खेतासराय जौनपुर द्वारा बताया गया कि मेरे गले मे मोतियों की माला मे लगे सोने के लाकेट के साथ लाल व गुलाबी रंग की साड़ी पहने महिलाओं मे से किसी ने छीन लिया है। एक लाल व सफेद रंगे मोतियो की माला मे पिरोया हुआ पीली धातु का लाकेट रेखा व निशा से बरामद हुआ। जिसे महिला दर्शनार्थी सरस्वती देवी उपरोक्त अपने लाकेट का होना तस्दीक किया। शिकायतकर्ता पूजा यादव पत्नी सन्तोष यादव निवासी कुहिया थाना सरायख्वाजा जौनपुर द्वारा बताया गया कि छोटे पर्स मे रखा सोने का लाकेट व कुछ पैसा चोरी कर लिया गया है, जो सुनीता से एक लाकेट पीली धातू का बरामद हुआ तथा साथी महिला रिया से 650 रुपये जिसमे 500 की एक नोट 100 तथा 50 रु0 की एक झएक नोट

बरामद हुई, जिसे शिकायतकर्ता द्वारा तस्दीक किया गया। शिकायतकर्ता बदामा देवी पत्नी स्व0 जीत निवासी सरायख्वाजा थाना सरायख्वाजा जौनपुर द्वारा बताया गया कि सामान छुपाने के बावजूद एक चैन, लाकेट पैसा चोरी कर लिया गया है, जो सिंकू तथा रीना से तलाशी के दौरान बरामद किया गया। जिसे शिकायतकर्ता द्वारा तस्दीक किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 514/25धारा 112,317(2) बीएनएस पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। आरोपीगण के आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है।आरोपीगण से कड़ाई से पुछताछ पर उनके द्वारा ही पर्स, लाकेट चेन, झपट लेना बताया गया। पकड़ी गई सभी आरोपियों का एक ही प्रकार का अपराध एवं एक गोल के रुप मे एक ही साथ पकड़ा जाना इनका एक संगठित गिरोह होने की शंका होने पर कड़ाई से पुनः पूछताछ करने पर बताया गया कि हम लोग एक दूसरे से पहले से परिचित है तथा जरिये मोबाईल एक दूसरे से सम्पर्क मे रहते है। हम लोगो का 06 लोगो का समुह है। मेला व दर्शन करने वाले स्थानो पर जहाँ भीड़ होती है। आपस मे बात करके पहुँच जाते है, चेन पहनी महिलाओ और पर्स वाली महिलाओ को घेर कर धक्का मुक्की का माहौल बनाकर उनके चेन व पर्स छीन लेते है। रेखा पत्नी अमरजीत निवासी ग्राम रैनी थाना दक्षिण टोला जनपद मऊ, निशा पुत्री राजेश हरिजन निवासी ग्राम रैनी थाना दक्षिण टोला जनपद मऊ , सुनीता पत्नी महंथू हरिजन उर्फ हंगता निवासी एलाही थाना आसपुर देवसारा जनपद प्रतापगढ, रिया पुत्री शिवबचन निवासी सराय थाना करौदी कला जनपद सुल्तानपुर , सिंकू पत्नी अभिषेक हरिजन निवासी कठवा मोल थाना नोनहरा जनपद गाजीपुर ,रीना पत्नी उमेश हरिजन निवासी माता पोखरा मिर्जा हाजीपुर थाना दक्षिण टोला जनपद मऊ शामिल है।

भाजपा नेत्री रंजू झा ने किया शगुन टावर गोरेगांव में गणपति दर्शन

मुंबई। गोरेगांव स्थित शगुन टॉवर को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, जो मालाड ईस्ट और गोरेगांव क्षेत्र की सबसे सुव्यवस्थित सोसायटियों में गिनी जाती है, में पिछले 15 वर्षों से गणेशोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस बार भी 5 दिनों तक पूरे उत्साह, उमंग और पारिवारिक माहौल के बीच गणपति बप्पा की पूजा-अर्चना और विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। लगभग 150 लोगों की क्षमता वाले आकर्षक पंडाल में प्रतिदिन शाम को आरती और महाप्रसाद का आयोजन हुआ। बच्चों से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक सभी वर्गों ने भक्ति और आनंद से उत्सव में भाग लिया। अंताक्षरी, क्विज, टैलेंट शो और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उत्सव को और भी जीवंत बना दिया। विशेषकर अंताक्षरी शो सबसे लोकप्रिय कार्यक्रम रहा, जिसमें करीब 100 लोगों ने गानों और लाइव ऑर्केस्ट्रा के साथ शानदार प्रस्तुति दी। इस अवसर पर भाजपा नेत्री श्रीमती रंजू झा ने भी पधारकर गणपति बप्पा का दर्शन किया और सोसायटी की एकजुटता की सराहना की। उन्होंने कहा यहां सभी लोग मोबाइल फोन एक तरफ रखकर, सच्चे मन से बप्पा की भक्ति में लीन होते हैं। यही उत्सव की असली खूबसूरती है, जहां लोग एक परिवार की तरह मिलते हैं और पुराने दिनों की यादें ताजा करते हैं। सोसायटी के सचिव राकेश शर्मा का विशेष योगदान रहा, जिन्होंने वर्षों से पूरे मन से इस उत्सव की तैयारी और व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभाली है।

देवर और भाभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। जिले के दीदारगंज थाना क्षेत्र के फुलेश गांव में मतांतरण के मामले में पुलिस ने एक देवर और भाभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। गांव के रोशनलाल राजभर की लिखित शिकायत के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। रोशनलाल ने अपनी तहरीर में आरोप लगाया कि गांव की गीता राजभर के घर पर आयोजित सत्संग के दौरान हिंदू धर्म के देवी-देवताओं का अपमान किया गया। उन्होंने कहा कि सत्संग में महिलाओं और बच्चों को भूत-प्रेत ठीक करने के नाम पर अंधविश्वास फैलाया जा रहा था। इसके साथ ही पैसे का लालच देकर मतांतरण के लिए दबाव बनाया गया। रोशनलाल ने यह भी आरोप लगाया कि गीता राजभर का सहयोग उनके देवर चंद्रेश राजभर कर रहे थे। शिकायत के आधार पर दीदारगंज पुलिस ने गीता राजभर और चंद्रेश राजभर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

शेखर धुरी और नरेंद्र सोनी ने किया गणपति दर्शन

वसई । वसई विधायक स्नेहा दुबे और वसई विधानसभा महिला मोर्चा चुनाव प्रमुख और एडवोकेट साधना धुरी के घर पर भाजपा वरिष्ठ नेता शेखर धुरी और उत्तर शक्ति डेली न्यूज रिपोर्टरनरेंद्र सोनी के साथ गणपति बापा का दर्शन किया और प्रसाद लेकर आशीर्वाद लिया।

मधुर प्रेम की अधिष्ठात्री, करुणा और भक्ति की मूर्ति श्री राधा रानी के अवतरण दिवस राधाष्टमी की हमारी ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। राधा रानी की अनुकम्पा से आपके जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का वास हो, ऐसी प्रार्थना करता हूँ।

घाटकोपर वेस्ट में सी ए स्नेहा भानुशाली और सी ए हेमा रामबिलास पाठक के नए ऑफिस के उद्घाटन में अतिथि के तौर पर उपस्थित भाजपा नेता रामबिलास पाठक,जेएमडी ग्रुप के चेयर मैन हरीश पांडेय, समाजसेवक संतोष दुबे सहित अन्य गणमान्य लोग शामिल होकर अपनी शुभमनाएं दी।

घाटकोपर वेस्ट के अमृतनगर स्थित सागर पार्क उत्सव मंडल द्वारा स्थापित श्री गणपति बप्पा के दरबार में घाटकोपर वेस्ट विधान सभा के विधायक राम कदम बप्पा का दर्शन कर आशीर्वाद लिया और उपस्थित मंडल के सभी सेवाधारियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुंबई वडाला पूर्व शांति नगर स्थिति अशोक पांडे के आवास पर पांच दिन का गणपति बप्पा का दर्शन करने पहुंच रहे लोगों का स्वागत करते हुए अशोक पांडे, श्रीमती मीरा पांडे, कृष्णा पांडे, अनुरुद्ध पाण्डेय, अंजन शुक्ला, विनोद दुबे, आशुतोष तिवारी सहित कई अन्य लोग । छायाःचित्र उत्तर शक्ति

जौनपुर जमीनी विवाद को लेकर ग्रामीणों का हंगामा, पुलिस पर पक्षपात का आरोप, लगाया जाम

)। रविवार को जिले के सुरेरी थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर जमीनी विवाद को लेकर हंगामा खड़ा हो गया। करौदी-सुरेरी मार्ग पर सैकड़ों ग्रामीणों ने पुलिस पर एकतरफा कार्रवाई का आरोप लगाते हुए सड़क जाम कर दिया। जानकारी के अनुसार, हनुमानगंज बाजार से आगे सरैया मार्ग पर करीब 10 विस्वा जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। आरोप है कि विक्रेता ने एक ही जमीन की चौहद्दी पर दो अलग-अलग पक्षों मौर्या परिवार और व्यवसायी राजू गुप्ता को रजिस्ट्री कर दी थी। इसी को लेकर दोनों पक्षों में रविवार दोपहर विवाद हो गया।

ग्रामीणों का कहना है कि सूचना पर पहुंची पुलिस ने राजू गुप्ता के दबाव में मौर्या परिवार के युवकों से मारपीट की और बाद में अड़ियार गांव निवासी शेर बहादुर मौर्य व तेज बहादुर मौर्य को थाने ले जाकर हिरासत में डाल दिया। इससे आक्रोशित ग्रामीणों ने दोपहर करीब 3 बजे करौदी सुरेरी मार्ग पर बांस-बल्ली लगाकर जाम कर दिया और पुलिस पर पैसे वालों का पक्ष लेने का आरोप लगाया।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि मौर्य के परिवार के ऊपर रामलोचन गुप्ता के परिवार के ऊपर पुलिस वालों ने दौड़ा दौड़ा के मारा पीटा

फिलहाल भारी फोर्स बल मौके पर पहुंचे कई थाने के फोर्स को लेकर के साथ थाना अध्यक्ष सुरेरी भी मौके पर पहुंचकर किसी तरह समझा बुझा कर जाम को खुलवाया गया और पुलिस फोर्स में महिलाओं को घसीटते हुए गाड़ी में बैठाया दिया और थाने लेकर चली गई।

हिमालया वेलनेस ने 'वर्ल्ड ऑफ नीम' किया लॉन्च

पटना। हर्बल स्किनकेयर में अग्रणी हिमालया वेलनेस ने मुंबई के ताज लैंड्स एंड में अपने पहले ह्यवर्ल्ड ऑफ नीमह्ल कार्यक्रम का आयोजन किया। यह आयोजन पिंपल एक्ने पॉज़िटिविटी डे से पहले किया गया, जिसका उद्देश्य था पिंपल्स को लेकर समाज में व्याप्त कलंक को तोड़ना, आत्मविश्वास को बढ़ावा देना और स्किनकेयर पर एक समग्र संवाद शुरू करना।

श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ सप्ताह का शुभारंभ

सीकर। शहर के पालवास रोड स्थित अनिरुद्ध रेसिडेंसी मे श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ सप्ताह का शुभारंभ प्रातः 11 बजे भगवान इन्द्र की असीम अनुकम्पा झमाझम बारिश के बीच शुरू किया गया। कथा में ऋषिकेशदेवचार्य गणेश दास बैरागी कर्कोटक तीर्थ किरोड़ी धाम के पावन सानिध्य तथा पण्डित विक्रम शास्त्री श्रीमाधोपुर के तत्वाधान मे कथा व्यास श्री बृजभूषण महाराज के मुखारविंद से कथा रसपान कराया गया। कलश यात्रा गोविंदम रेसीडेंसी स्थित हनुमान मंदिर से शुरू होकर अनिरुद्ध रेसिडेंसी पहुंची। कथा में अन्नपुर्णा आश्रम रघुनाथगढ़ के महंत श्री अमरदास महाराज ,योगश्री नाथ कोट बांध सत्यनाथ महाराज, डूंडलोद आश्रम की सन्त उपस्थिति रही। कार्यक्रम में हिमांशु शर्मा, पण्डित दीपक पाराशर महिला प्रमुख सरिता शर्मा राजकुमारी जांगिड़ सपत्नीक भगवाना राम गुर्जर वीरेन्द्र बाटड़ आदि ने कथा रसपान किया।

भक्ति, एकता और संस्कृति गणेशोत्सव से मिलती हैं : स्नेहा दुबे

मुंबई। वसई पूर्व क्षेत्र में गणेशोत्सव के अवसर पर भक्ति, सामाजिक एकता और संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला। वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने रविवार को कोलांडे, शेल्का पाड़ा, तुलसी नगर, पोमान, मास्किन पाड़ा, देवदल, दलवी नगर, चिंचोटी और कोल्ही सहित विभिन्न सार्वजनिक गणेश मंडलों एवं घरेलू गणपति बप्पा के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने कोलांडे शिलोत्तर सार्वजनिक गणेश मंडल, शेल्का पाड़ा रॉयल हब, तुलसी नगर पोमन सार्वजनिक मंडल, पोमान में विवेक भोसकर का घरचा गणपति, मास्किन पाड़ा जिला परिषद स्कूल, देवदल गांव, दलवी नगर, ऐ गावदेवी एकता मित्र मंडल और कोल्ही में भारतीय जनता पार्टी बजरंग मित्र मंडल का विशेष रूप से दर्शन किया।

सभी गणेश मंडलों की ओर से विधायक स्नेहा दुबे का सम्मान किया गया और उन्हें गणेश महोत्सव की शुभकामनाएँ दी गईं। इस अवसर पर पोमान ग्राम पंचायत के सरपंच आत्माराम ठाकरे, भाजपा वसई विरार शहर जिला उपाध्यक्ष राजू म्हात्रे, उद्योग अघाड़ी जिला संयोजक रितेश सत्यनाथ, मयंक शेठ, गोपी मेनन, धरेंद्र कुलकर्णी, सुनील पांडे, विवेक भोसकर, प्रकाश देवलेकर, जीत सिंह, शिवपूजन गुप्ता, रंजीत किनी, राहुल दुबे सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

विधायक स्नेहा दुबे ने इस अवसर पर कहा कि गणेशोत्सव केवल भक्ति का पर्व नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और संस्कृति को जोड़ने वाला उत्सव है। वसई क्षेत्र के सभी मंडलों ने जिस उत्साह और समर्पण के साथ आयोजन किया है, वह प्रशंसनीय है।

गणेश महोत्सव से लोगों में सनातन की भावना बढ़ी : राजन नाईक

विरार। गणेश महोत्सव के अवसर पर विरार पश्चिम में भव्य गणेश दर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नालासोपारा विधायक राजन नाईक ने विभिन्न गणेश मंडलों का दौरा किया और श्रद्धालुओं के साथ गणपति बप्पा के दर्शन का लाभ उठाया। इस दौरान विधायक नाईक ने कहा कि गणेश महोत्सव केवल धार्मिक उत्सव नहीं है, बल्कि यह सनातन संस्कृति और सामाजिक एकता का प्रतीक है। इस पर्व से लोगों में भक्ति के साथ-साथ सनातन की भावना और भी प्रबल होती है। विरार पश्चिम में गणेश मित्र मंडल - जकात नाका (जोगलेकर अस्पताल के पास), विरार युवा मित्र मंडल - पुरानी भाजी गली, साईबाबा मित्र मंडल - डोंगरी, ॐ अमर मित्र मंडल शीतलबाग, एकता मित्र मंडल शीतल नगर, सुमन वेलफेयर एसोसिएशन एम.बी. जागीर, खानदेश मित्र मंडल एम.बी. जागीर, सुनील मित्र मंडल एम.बी. जागीर, एकदंत मित्र मंडल यूनिटेक बिल्डिंग नंबर 23 एसोसिएशन कार्यालय सहित अनेक मंडलों में विधायक नाईक ने गणेश दर्शन किए।

इसके अलावा उन्होंने कार्यकताओं और पदाधिकारियों के घर विराजमान श्री गणेश का भी पूजन-अर्चन किया। इस अवसर पर पालघर के लोकप्रिय सांसद डॉ. हेमन्त विष्णु सावरा, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटील, अभय कक्कड़ सहित अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गणपति पूजा पंडाल में करंट लगने से बच्ची की मौत, परिवार के सदस्यों में शोक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र के स्थानीय नगर स्थित काजीकोट मोहल्ले में गणपति पूजा पंडाल में करंट उतरने से 6 वर्षीय बालिका की इलाज के दौरान मौत हो गई। बालिका की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। बताया जाता है कि काजीकोट मोहल्ले में गणपति मित्र मंडल द्वारा पूजा पंडाल स्थापित था। इसी पूजा पंडाल की बगल विजय कुमार प्रजापति का घर स्थित है रविवार की शाम 7:00 बजे लगभग विजय की 6 वर्षीय बेटी सृष्टि मौर्य पड़ोस के बच्चों के साथ गणपति पंडाल में खेलने गई। बताया जाता है कि पंडाल में लाइटिंग सजावट के लिए लोहे की पाइप से सजावट की गई है जिसमें पहले से ही बिजली का करंट उतर रहा था। बच्ची लोहे की पाइप के पास चली गई और वह करंट की चपेट में आ गई जब तक लोगों का बच्ची के ऊपर निगाह पड़ती तब तक वह काफी झुलस चुकी थी लोगों ने उसे उठाकर स्थानीय चिकित्सालय पर लेकर गए जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल जाने की सलाह दिया। बताते हैं कि परिजन बच्ची को लेकर अस्पताल पहुंचे तो डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जिससे बच्ची की मौत सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। गणपति पूजा पंडाल की व्यवस्थापकों ने तुरंत पूजा पंडाल बंद कर दिया और फरार हो गए। सूचना पर मड़ियाहूं कोतवाल तेज बहादुर सिंह फोर्स के साथ पहुंचकर बच्ची के शव को कब्जे में लेने की तैयारी कर रहे।

प्रदेश में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने में हो रही है मनमानी, 8500 करोड़ से ज्यादा किया जा रहा है खर्च

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश में स्मार्ट बिजली मीटर लगाने में मनमानी हो रही है। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने इस बारे में गंभीर आरोप लगाए हैं। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने में भी मनमानी का आरोप लगाया है। परिषद का कहना है कि ऑल इंडिया डिस्कॉम एसोसिएशन पूरी तरह प्रदेश के उपभोक्ताओं के घरों में जल्द से जल्द स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगवाने में जुटी है। क्योंकि उन्हें पता है कि प्रदेश में स्मार्ट प्रीपेड मीटर का टेंडर 8500 करोड़ अधिक दर पर हुआ है। मीटर लगेंगे तभी उनका भुगतान होगा। प्रदेश में स्मार्ट प्रीपेड मीटर के टेंडर के लिए केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय ने 18885 करोड़ अनुमोदित किया था, लेकिन प्रदेश में टेंडर 27342 करोड़ का जारी किया गया है। ऐसे में करीब 8500 करोड़ ज्यादा खर्च किया जा रहा है। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि मीटर की लागत प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं से नहीं वसूली जा सकती। इसके लिए केंद्र सरकार ने आदेश जारी कर रखा है। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने कहा कि निजीकरण की आड़ में बिजली कर्मचारियों पर लगातार उत्पीड़नात्मक कार्रवाई की जा रही है। इससे बिजली कर्मियों में आक्रोश बढ़ रहा है। संघर्ष समिति ने कहा कि तमाम कार्मिकों को 3 माह से वेतन नहीं दिया गया है जो पूरी तरह अमानवीय है। संविदा कर्मियों को 55 वर्ष की आयु के नाम पर निकाला जा रहा है।

राष्ट्रीय समता पार्टी बीपी वाराणसी जिला इकाई की बैठक सम्पन्न

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय समता पार्टी बीपी की वाराणसी जिला इकाई की बैठक आज पार्टी के केंद्रीय कार्यालय दासेपुर, हरहुआ, वाराणसी में बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ सम्पन्न हुई। बैठक का शुभारंभ पदाधिकारियों के स्वागत-सम्मान से हुआ, जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय कैप्टन राज कुमार सहित सभी पदाधिकारियों का फूलमाला पहनाकर अभिनंदन किया गया। इसके उपरांत पदाधिकारियों ने माल्यार्पण कर राष्ट्रीय अध्यक्ष का जोशीला स्वागत किया। कार्यक्रम का आयोजन जिला अध्यक्ष राज कुमार और प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह पटेल के नेतृत्व में हुआ। संचालन राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव पुनवासी राम प्रजापति ने किया और अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष कैप्टन राज कुमार ने की। बैठक में महिला मंच की जिला अध्यक्ष श्रीमती मंजू ने कहा कि पूरे जिले में महिला मंच का गठन बूथ

स्तर तक किया जाएगा। वहीं, जिला अध्यक्ष श्री राज कुमार ने पार्टी को जिले में नंबर एक पर लाने का संकल्प लिया। प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह पटेल ने शिक्षा और स्वास्थ्य पर जोर देते हुए कहा कि सत्ता में आने पर शिक्षा और स्वास्थ्य पूरी तरह निःशुल्क कर दिए जाएंगे। प्रदेश उपाध्यक्ष मो. आमेर ने कार्यकताओं से एकजुट होकर पार्टी की नीतियों को जनता तक पहुंचाने की अपील की। राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव पुनवासी राम प्रजापति ने युवाओं से पार्टी से अधिकाधिक जुड़ने का आह्वान किया।

अपने संबोधन में राष्ट्रीय अध्यक्ष कैप्टन राज कुमार ने मिशन 2027 के चुनावों की तैयारी पर बल दिया। उन्होंने पदाधिकारियों से बूथ स्तर पर कमेटियों का गठन करने और संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पार्टी का मुख्य उद्देश्य उन लोगों को भागीदारी दिलाना है जिन्हें अब तक अवसर नहीं मिला है। साथ ही उन्होंने शिक्षा और चिकित्सा को अमीर-गरीब सभी के लिए मुफ्त करने और वन नेशन वन एजुकेशन पर जोर दिया। अंत में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सभी उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया।

बैठक में प्रमुख रूप से विधानसभा अध्यक्ष मंगला यादव, उपाध्यक्ष रामजी चौहान, जिला उपाध्यक्ष (अल्पसंख्यक मंच) अली अहमद, प्रदेश उपाध्यक्ष विजय कुमार, जिला सचिव अरविंद कुमार मौर्य, जिला महासचिव अवधेश प्रजापति, पत्रकार चंदन महाकाल, मो. शहनवाज, जिला सचिव सूरज प्रजापति, जिला उपाध्यक्ष अनूप त्रिपाठी, विधानसभा उपाध्यक्ष गोपी प्रजापति, पत्रकार पवन प्रजापति, महिला मंच की महासचिव श्रीमती मंजू राजभर, श्रीमती लक्ष्मी राजभर, श्रीमती द्रोपदी राजभर, संगीता राजभर, श्रीमती मुन्नी राजभर, श्रीमती प्रमिला देवी, प्रभु नारायण गौड़ सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्री रामलीला उत्सव समिति की बैठक संपन्न

मुंबई। श्री रामलीला उत्सव समिति द्वारा आयोजित आगामी 22 सितंबर से रामलीला मंचन की तैयारी हेतु समिति अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल की अध्यक्षता में रविवार को घाटकोपर वेस्ट अमृतनगर स्थित सागर पार्क में बैठक रखी गई। बैठक में रामलीला की तैयारी के लिए श्री रामबारात,सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, दशहरा मेला,कवि सम्मेलन जैसे विभिन्न विषयों पर विचार विमर्श किया गया इस अवसर पर समिति अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल, आई पी पांडेय, संजय मिश्रा,सर्वदेव पांडेय,रत्नेश शुक्ल, बृजेश शुक्ल,अरविंद शुक्ल, राजन सिंह,अवधेश तिवारी,विशेष कार्यकारी अधिकारी महाराष्ट्र शासन आदेश मिश्र,रामतीरथ शर्मा, अशोक गुप्ता, रमापति यादव, तपस्वीलाल चौरसिया, प्रेमकुमार तिवारी,विपिन सिंह, कृष्णचंद्र शर्मा, सद्भावना यादव,सहित समिति के अन्य लोग मौजूद रहे।

ग्राम करमहना के प्राचीन शिव मंदिर पर श्री गणेश मूर्ति स्थापना, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

बलरामपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जनपद के ग्राम करमहना (विकासखंड बलरामपुर) के प्राचीन शिव मंदिर में पिछले दो वर्षों से श्री गणेश की भव्य मूर्ति स्थापित की गई है। यह सदियों पुराना शिव मंदिर, जिसकी नींव स्वर्गीय दुखीनाथ शाह ने रखी थी, अब भक्तों के लिए और भी आकर्षण का केंद्र बन गया है। श्री गणेश की मूर्ति को स्वर्ण अलंकरणों से सजाया गया है। ग्रामीण कार्यकर्ताओं ने स्वयं मणि-जड़ित अलंकारों से इस मूर्ति का अलंकरण किया है। भव्य रूप में सजे गणेशजी की प्रतिमा का पूजन-अर्चन श्रद्धालुओं द्वारा उत्साहपूर्वक किया जा रहा है। गणेशोत्सव के अवसर पर मंदिर परिसर और ग्राम करमहना में विशेष आयोजन किए जा रहे हैं। रोजाना सुबह-शाम शंख, घड़ियाल और नाद की ध्वनि के बीच सप्तनिक पूजा, आरती और हवन श्रद्धा-भक्ति से सम्पन्न हो रहा है। इस अनुष्ठान का संचालन शीतला प्रसाद तिवारी कर रहे हैं। रविवार को गणेश दर्शन हेतु भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। इस अवसर पर पत्रकार नानबाबू चौहान सहित शकुंतला पांडे, गौरी देवी चौहान, विवेक पांडे, साधुराम यादव और बड़ी संख्या में ग्रामीण व श्रद्धालु मौजूद रहे। श्री गणेश जी के दर्शनों के लिए इन दिनों मंदिर परिसर में लगातार श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है।

केराकत में दर्दनाक सड़क हादसा, सांसद व विधायक के रिश्तेदार पर आरोप

घायल आकाश यादव जीवन-मृत्यु से जूझ रहा

जौनपुर। 29 अगस्त 2025 को दोपहर लगभग 3 बजे खुज्जी मोड़, केराकत के समीप एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। आरोप है कि यह दुर्घटना जिले के ही सांसद और विधायक के रिश्तेदार एवं निजी सहायक भगवती चंद्र सरोज की गाड़ी (UP62 AR 8439) से की गई। हादसे में आकाश यादव, पुत्र समाजवादी पार्टी के बूथ प्रभारी, बुरी तरह घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भगवती चंद्र सरोज स्वयं गाड़ी में मौजूद थे और दुर्घटना के बाद गंभीर रूप से घायल युवक को तड़पता छोड़ मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने आकाश यादव को तुरंत वाराणसी के

बीएचयू ट्रॉमा सेंटर पहुँचाया, जहाँ से उसे रेफर कर ट्रॉमा सेंटर, हिम्स में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने इलाज के लिए लगभग 15 लाख रुपये की तत्काल व्यवस्था करने की बात कही है। आकाश की हालत गंभीर बनी हुई है और कमर से नीचे दोनों पैर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं।

उत्तर यादव युवा संघ के राष्ट्रीय सचिव जितेन्द्र जगरदेव यादव एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्रधारी यादव ने परम आदरणीय सांसद आजमगढ़ धर्मेन्द्र यादव जी से निवेदन किया है कि वे मामले को संज्ञान में लें और विधायक तुफानी सरोज व सांसद प्रिया सरोज को अवगत कराएँ। उन्होंने अपील की है कि आकाश यादव के इलाज व भविष्य के लिए आवश्यक आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। संस्था ने कहा कि आकाश यादव समाजवादी पार्टी का कट्टर समर्थक है और उसके पिता बूथ प्रभारी के रूप में सक्रिय हैं। इसलिए पार्टी नेतृत्व से अपेक्षा है कि इस कठिन समय में परिवार को पूरा सहयोग मिलेगा।

जीवन रक्षा हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर

डा0 नवीन कुमार सिंह
M.B.B.S., M.S. (Ortho)
हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा0 शिल्पी सिंह
M.B.B.S., M.S. (Obs & Gyn)
स्त्री रोग विशेषज्ञ

- फ्रेक्चर
- गठिया
- कमर दर्द
- ऑथराइटिस
- कूल्हा, घुटना प्रत्यारोपण
- इत्यादि रोगो का इलाज

- सिजेरियन डिलीवरी
- बच्चेदानी का ऑपरेशन
- ट्यूमर का ऑपरेशन
- दूरबीन विधि द्वारा
- बच्चे की जाँच
- नार्मल डिलीवरी

आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
इमरजेन्सी सुविधा 24 घण्टे उपलब्ध

नया पता- पुलिस चौकी के सामने, सिपाह, आजमगढ़ रोड, जौनपुर (उ0प्र0) 6390303050

TSMH त्रिभुवन सिंह मेमोरियल हॉस्पिटल

डा0 स्पृहा सिंह
M.B.B.S., MD (Pt. JNM Raipur)
CCEBDM (Diabeties)
जनरल फिजिशियन एवं मधुरोग विशेषज्ञ
पूर्व चिकित्सक आपोलो हॉस्पिटल, हैदराबाद

डा0 जयेश सिंह
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (पीडियाट्रिक्स)
डी.एम. (नियोनेटोलॉजी)
(Fernandez Hospital, Hyderabad)
DASSI (KEM Pune)
ONTOP (AIIMS New Delhi)

पूर्वांचल के प्रथम व एकमात्र सुपर स्पेशलिस्ट नवजात शिशु व बाल रोग विशेषज्ञ

- नवजात शिशु का आई.सी.यू. एवं बच्चों के सभी रोगों का इलाज।
- निमोनिया, जन्म पर गन्दा पानी पीने वाले नवजात अत्याधुनिक आई.सी.यू. की सुविधा।
- समय से पूर्व (सतवासे) में पैदा हुए बच्चों का इलाज एवं बच्चों का समस्त टीकाकरण।
- हमारे यहाँ आयुष्मान कार्ड के द्वारा नवजात शिशु व बच्चों के डायलसिस की सुविधा
- निशुल्क उपलब्ध है। ▪ इत्यादि समस्त रोगो का इलाज की सुविधा।

हृदय रोग एवं डायबिटीज रोग विशेषज्ञ

- वयस्कों में हार्ट, किडनी, शुगर, पेट रोग, लकवा, पैरालाइसिस, निमोनिया,
- लीवर, डेंगू, मलेरिया, टाईफाइड, अस्थमा/दमा, हाईब्लड प्रेशर, मलेरिया,
- डायलसिस, सिजेरियन डिलिवरी, नसों में शून्नपन, मस्तिष्क ज्वर, पीलिया,
- हेपेटाईटिस बी., ल्यूकोरिया, खूनी पेचिस, सर दर्द, माइग्रेन, यूरिन इन्फेक्शन
- स्वास व फेफड़ा रोग व अन्य सभी रोगों का इलाज किया जाता है।

आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
पता- दिवानी कचहरी, अम्बेडकर तिराहा, जौनपुर (उ0प्र0)
05452-356274/ 7992031213, 9026551423

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)

वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग

गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा. अरुण आर. सिंह
कन्सलटेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.

डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)

डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)

डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)

24/7 Emergency Services

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
आयुष्मान कार्ड द्वारा नि:शुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद,जौनपुर

SALVATION HOSPITAL
साल्वेशन हॉस्पिटल

The Culture of Care

डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव
B.A.M.S.
(स्त्री रोग विशेषज्ञ)

पंडित दीनदयाल उपाध्याय
राज्यकर्मी कैशलेस चिकित्सा योजना संबद्ध अस्पताल

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना
के अंतर्गत सूचीबद्ध अस्पताल

24/7 Emergency Services
24 घंटे भर्ती की सुविधा

आई.सी.यू. | डायलेसिस | एच.डी.यू.
नेत्र विभाग | अस्थि रोग विभाग
दन्त चिकित्सा | किडनी विभाग
जनरल मेडीसिन | जनरल सर्जरी

डॉ. विवेक श्रीवास्तव
M.D. (Physician, F.G.O.
(APOLO HOSPITAL) P.G.D.S.
Member of Indian Medical
Association UPMCI Rg. No. 95653

नोट- प्रत्येक महीने के दूसरे रविवार को प्रयागराज के गुर्दा रोग विशेषज्ञ डा0 सन्तोष मौर्य (M.D., D.M. Nephro) 12 बजे से 4 बजे तक उपलब्ध रहते हैं।

कंधरपुर, मुरादगंज, जौनपुर (वाराणसी-लखनऊ न्यू हाइवे के बगल में बाईपास से 400 मीटर की दूरी पर) 9138828282, 8686867547

एस.आर.एस.
हॉस्पिटल एण्ड ट्रामा सेन्टर

डा. अभय प्रताप सिंह
MBBS (KGMU), DNB(Ortho), MS (Ortho)
UCN, FIJR (Germany), MNAMS
आर्थ्रोस्कोपिक एण्ड ज्वाइंट रिप्लेसमेन्ट आर्थोपेडिक सर्जन
हड्डी रोग विशेषज्ञ
ओ.पी.डी. प्रतिदिन

डा. आनन्द त्रिपाठी
MBBS, MD, DM (Neuro)
न्यूरो फिजिशियन
ओ.पी.डी. प्रतिदिन

डा. निदा सलाम
CGO
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
ओ.पी.डी. प्रतिदिन

डा. अरविन्द कुमार अग्रहरि
MBBS, MS, MCH (Neuro)
न्यूरो सर्जन
विजिटिंग/ऑन काल

डा. एस.के. मिश्र
MBBS, MS (General Surgeon)
जनरल सर्जरी
विजिटिंग/ऑन काल

डा. चंचला मिश्रा
MBBS, MS (Obs & Gyn.)
स्त्री रोग विशेषज्ञ
विजिटिंग/ऑन काल

डा. राजेश त्रिपाठी
MBBS, MD (Anesthisia)
एनेस्थिसिया रोग विशेषज्ञ
विजिटिंग/ऑन काल

7355 358194 05452- 356555

तेज डायग्नोस्टिक सेन्टर के सामने (पेट्रोल पम्प के बगल में) नईगंज तिराहा, जौनपुर

BAJAJ
ए. एम. बजाज

मो. अशहद

अब्दुल माजिद

मानी कलां, गुरैनी रोड, जौनपुर- 222139 9621032024, 9651316060, 9621139686

AMIR TRAVELS
Hajj & Umrah Services
DOMESTIC & INTERNATIONAL AIR TICKETS

Visit Visa, Holiday Tour Packages, Waqala Delhi & Mumbai Gamca & Medical Services
Emigration, Visa Stamping, Currency Exchange, Money Transfer

TV उत्तरशक्ति NEWS

- Withdrawal & Deposit Money From All (atm & Adhar Services)
- Passport, Pan Card & Driving License Services
- Common Services Center (csc) & Sahaj Jan Seva Kendra Related Services 7860303530, 9616636079

प्रो0- मो0 आसिफ सिद्दीकी संवाददाता गुरैनी, मानीकलां
सह- संपादक डॉ. इम्तियाज अहमद सिद्दीकी (उर्फ़ बाबू भाई) उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक, जौनपुर-लखनऊ (उत्तर प्रदेश)

निकट- नसीराबाद चौक, पूर्व प्रधान नेयाज़ अहमद कटरा, मानीकलां, जौनपुर (उ0. प्र0)